हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, रविवार, 4 जनवरी 2026

10 अरावली बचाने के लिए बहादुरगढ़ में अनशन

12 तीसरे दिन सफाई कर्मियों ने वापस लिया आंदोलन

SANSKARAM GROUP OF SCHOOLS

THE TIMES OF INDIA
Awarded with
Times School Survey
award 2025-26

जीतें 6 लाख तक की स्कॉलरशिप

Announcing

SANSKARAM SCHOLARSHIP UNIVERSE 3.0

एक स्कॉलरशिप,
जो सपनों को दे उड़ान और
परिवारों का बने सहारा ।

Test Date
18th January 2026

CLASSES
Nursery to 12th

No FEE /-

Free Transport

EXAM TIMING
10 AM to 12 PM

VENUE
Jhajjar Campus
Patauda Campus

For Registration
You May Visit at Any of School Receptions

Nursery to 2nd Grade: Letter Coloring, Freehand Painting and Basic Algebra

Exam Pattern - Objective Type

NCERT Syllabus of the same class will be there in exam

Class	Subjects (20 Questions Each)	Marks	Duration
3rd to 10th	Science, S.S, Maths, Reasoning	80	60 Min.
11th & 12th (Sci.)	Physics, Chemistry, Maths, Biology	80	60 Min.
11th & 12th (Com.)	Economics, Accounts, B.St, Maths	80	60 Min.
11th & 12th (Arts)	English, Pol.Sci., Geography, Reasoning	80	60 Min.

माता दमयंती
बालिका छात्रवृति योजना

Applicable for class 9th to Ph.D

लाभार्थी

सभी छात्राएं जो अपने अभिभावकों की इकलौती संतान हैं।

टैलेंट भी आपका, स्टेज भी आपका

Scholarship available for talented students who secure positions in Art & Craft, Singing & Dance, or Sports at State, National or International levels.

स्कॉलरशिप टेस्ट
अब आपके शहर में
चरखी दादरी | कोसली | रोहतक

Test Date
11th January 2026

WIN ON - SPOT Scholarship

Scholarship Distribution

Rank	Scholarship Benefit
1st - 10th	100% Scholarship (Cash)
11th - 20th	50% Scholarship
21st - 40th	25% Scholarship

Prizes	Nur. to 2nd Class	3rd to 5th Class	6th to 8th Class	9th to 10th Class
1st Prize	1100/- Cash	2100/- Cash	3100/- Cash	5100/- Cash
2nd Prize	500/- Cash	1100/- Cash	2100/- Cash	3100/- Cash
3rd Prize	500/- Cash	500/- Cash	1100/- Cash	2100/- Cash

JHAJJAR CAMPUS : 8222889860, 62 | NH. 334, DADRI ROAD, KHATIWAS, JHAJJAR

खबर संक्षेप

एनईपी-2020 ओरिएंटेशन प्रोग्राम का शुभारंभ

रोहतक। मदवि के मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर एवं कॉलेज ऑफ एजुकेशन द्वारा संयुक्त रूप से 8-दिवसीय एनईपी-2020 ओरिएंटेशन एवं सेंसिटाइजेशन प्रोग्राम का आज शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के दृष्टिकोण, उद्देश्यों और कार्यान्वयन से परिचित कराना है। उद्घाटन सत्र में कॉलेज ऑफ एजुकेशन की प्रिंसिपल प्रो. तरुणा मल्होत्रा ने स्वागत भाषण दिया।

पीजीआईएमएस अनुबंध कर्मियों की बैठक सम्पन्न

रोहतक। पीजीआईएमएस अनुबंध कर्मचारियों के मुख्य पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता यूनियन प्रधान कलावती कांगड़ा ने की। बैठक में यूनियन के संविधान के अनुसार कार्यकाल समाप्त होने के बाद नए चुनाव करवाने की प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की गई। सभी पदाधिकारियों और साथियों की सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि पीजीआईएमएस अनुबंध कर्मचारी (ईंटक) यूनियन के चुनाव 5 जनवरी दिन सोमवार को कराए जाएंगे। बैठक में तय किया गया कि सभी साथियों के सहयोग से यूनियन की नई कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा।

मारपीट मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। थाना सदर पुलिस ने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अस्पताल में उपचाराधीन घायल के बयान पर गत वर्ष 29 दिसंबर को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। पीड़ति ने मारपीट करने और धमकी देने के आरोप लगाए थे। जांच के बाद पुलिस ने दिल्ली के ढांसा निवासी निखिल को इस मामले में गिरफ्तार कर लिया। उसे तफ्तीश में शामिल करने के बाद पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

अवैध शराब बेचने के मामले में आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। कानोड गेट चौकी पुलिस ने अवैध रूप से शराब बेचने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान मोहल्ला इंद्रा कॉलोनी निवासी विशु उर्फ बुगल के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 49 पव्वे देशी शराब बरामद की है। गत 2 जनवरी को पुलिस को सूचना मिली कि विशु उर्फ बुगल निवासी मोहल्ला इंद्रा कॉलोनी रेलवे लाईन गुमटी के पास अवैध रूप से शराब बेचने का काम करता है। पुलिस ने मौके से आरोपी को अवैध शराब सहित काबू कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ शहर थाने में आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

धरने को विभिन्न सामाजिक, किसान व कर्मचारी संगठनों का समर्थन मिला

अरावली बचाने के लिए बहादुरगढ़ में अनशन, स्थायी समाधान की मांग

- पर्यावरण संरक्षण समिति ने अरवाली की 100 मीटर ऊंचाई वाली परिभाषा को बदलने की अपील की
- बहादुरगढ़ में गंदे पेयजल की समस्या के जल्द समाधान के लिए भी आवाज उठाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

पर्यावरण संरक्षण समिति हरियाणा की ओर से अरावली पर्वतमाला को बचाने की मुहिम को आगे बढ़ाते हुए शनिवार को बहादुरगढ़ के शहीद स्मारक में शहर के जागरूक नागरिकों ने एक दिवसीय अनशन किया। अनशनकारियों ने अरावली की सौ मीटर ऊंचाई वाली परिभाषा के विरोध में बाजुओं पर काली पट्टियां बांधकर शांतिपूर्ण ढंग से अपना विरोध दर्ज कराया।

सतवीर सिंह दहिया ने कहा कि सरकार को 100 मीटर से कम ऊंची पहाड़ियों को अरावली न मानने के अपने निर्णय को तुरंत वापस लेना चाहिए और सर्वोच्च न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दाखिल कर उसे स्वीकार करवाने के लिए ठोस पैरवी करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार और अन्य याचिकाकर्ताओं द्वारा मजबूत और प्रभावी पक्ष रखे जाने पर ही अरावली के संरक्षण के पक्ष में सही और स्थायी फैसला आने की उम्मीद की जा सकती है।

बहादुरगढ़। शनिवार को शहीद स्मारक पर धरना देते सामाजिक कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

आने वाली पीढ़ियों के जीवन का सवाल

धरने को विभिन्न सामाजिक, किसान और कर्मचारी संगठनों का भी समर्थन मिला। शहीद भगत सिंह मैत्री संस्था के प्रधान प्रदीप यादव और संयुक्त किसान मोर्चा के राष्ट्रीय नेता जयकरण मांडोठी ने मौके पर पहुंचकर आंदोलन को समर्थन दिया। पार्षद सचिन दलाल तथा राजेश खत्री ने भी अरावली बचाने के लिए अपना पूर्ण समर्थन व्यक्त किया। किसान कामगार यूनियन के प्रदेश सचिव सुमित छिकारा ने आंदोलन को आगे बढ़ाने की अपील करते हुए कहा कि अरावली का संरक्षण केवल पर्यावरण का नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के जीवन का सवाल है। अनशन में रिटायर्ड कर्मचारी संघ से बलवान सिंह, वन कर्मचारी संघ के भूतपूर्व प्रधान ओमप्रकाश कादियान, सर्व कर्मचारी संघ के संजय बिजेंद्र सैनी, रणवीर सिंह दलाल, वेद प्रधान, प्रदीप रेढू, शहीद यादगार कमेटी के प्रधान धनराज तहलान, सतीश तहलान व मुकेश व्यास आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में पर्यावरण संरक्षण समिति हरियाणा ने स्पष्ट किया कि जब तक अरावली को लेकर स्पष्ट और पर्यावरण हितैषी निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा और जनजागरूकता के माध्यम से सरकार पर दबाव बनाया जाएगा।

शहर की बदहाल सफाई व्यवस्था का मुद्दा उठाया

इस दौरान जयपाल सांगवान और वजीर सिंह दहिया ने अरावली बचाओ अभियान का समर्थन करते हुए बहादुरगढ़ की स्थानीय पर्यावरणीय समस्याओं की ओर भी ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा कि शहर में सफाई व्यवस्था की बदहाली और गंदे पेयजल की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। स्थिति इतनी भयावह है कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो कभी भी इंदौर जैसी गंभीर घटना घट सकती है। उन्होंने आम नागरिकों से स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए आगे आने की अपील की।

53 करोड़ से बनेगी बाढ़ नियंत्रण परियोजनाएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

भाजपा किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष राम अहलावत ने झज्जर जिले में बाढ़ नियंत्रण और आपदा प्रबंधन से जुड़े 33 नए प्रोजेक्टों की मंजूरी पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का धन्यवाद किया। अहलावत ने बताया कि लगभग 53 करोड़ रुपये की लागत से मंजूर ये परियोजनाएं किसानों और आम नागरिकों के हित में ऐतिहासिक कदम हैं। इन परियोजनाओं से जलभराव और बाढ़ जैसी समस्याओं से राहत मिलेगी। संभावित प्रभावित क्षेत्रों में फसलों और जनजीवन की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। उन्होंने मुख्यमंत्री की संवेदनशील एवं जनहितकारी सोच की सराहना करते हुए कहा कि इन प्रोजेक्ट्स को प्राथमिकता के आधार पर मंजूरी मिली है। भाजपा किसान मोर्चा सरकार से आग्रह करता है कि ये सभी योजनाएं निर्धारित समय में पूरी हों, ताकि आगामी बरसात से पहले जिले को सुरक्षित किया जा सके।

भाजपा राज में हो रही स्टेडियमों की अनदेखी

> स्टेडियम की तत्काल साफ-सफाई, नियमित रखरखाव, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा गार्डों की तैनाती की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

इनेलो ने डॉ. बाबा भीमराव अंबेडकर स्टेडियम की बदहाली के लिए शासन और प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया है। इनेलो नेता भूपेंद्र नफे सिंह राठी ने कहा कि स्टेडियम खस्ताहाल होने के कारण खेल गतिविधियों की बजाय नशेड़ियों और असामाजिक तत्वों का अड्डा बनता जा रहा है। वर्तमान स्थिति के कारण यहां अभ्यास करने वाले खिलाड़ियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि स्टेडियम की तत्काल साफ-सफाई, नियमित रखरखाव, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा गार्डों की तैनाती तथा नशेड़ियों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए ताकि खिलाड़ियों और आमजन को सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण मिल सके।

बहादुरगढ़। उत्कृष्टता अवॉर्ड हासिल करती जीडी गोयनका स्कूल की प्रिंसिपल। फोटो : हरिभूमि

जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल को मिला उत्कृष्टता अवॉर्ड

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

शहर की एचएल सिटी में स्थित जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल को उसके कुशल प्रबंधन और शिक्षा के प्रति संपूर्ण समर्पण के फलस्वरूप गायत्री देवी गोयनका उत्कृष्टता पुरस्कार (स्कूल शिक्षा) 2024-25 से सम्मानित किया गया। यह गौरवपूर्ण सम्मान मिलने पर स्कूल चेयरपर्सन शैलजा जून ने भी खुशी जाहिर की है।

बता दें कि गुरुग्राम में स्थित जीडी गोयनका विश्वविद्यालय में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सभी शहरों से आए गोयनका स्कूलों ने भाग लिया। स्कूल प्रिंसिपल के अनुसार विद्यालय परिवार, समर्पित शिक्षकों, उत्साही विद्यार्थियों एवं सहयोगी अभिभावकों की सामूहिक निष्ठा, समर्पण और अथक प्रयासों के परिणामस्वरूप यह पुरस्कार हासिल हुआ है। स्कूल चेयरपर्सन शैलजा जून ने विद्यालय की इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते कहा कि स्कूल स्टाफ की सामूहिक कार्य क्षमता व समन्वय के फलस्वरूप यह पुरस्कार मिला है। साथ ही उन्होंने दोहराया कि स्कूल के शैक्षिक वातावरण में हम निरंतर नए कीर्तिमान बनाएंगे।

गुरुग्राम में स्थित जीडी गोयनका विश्वविद्यालय में विशेष कार्यक्रम का आयोजन

फुले ने पिछड़ा और वंचित वर्ग के लोगों की आवाज बनकर लड़कियों को पढ़ायाः जाखड़

> देश की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले को किया याद

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

शहर के पुराना बस स्टैंड रोड पर देश की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले की 196वीं जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कांग्रेस सेवा दल के जिलाध्यक्ष रमेश जाखड़ ने की जबकि मंच संचालन राजवीर राहड द्वारा किया गया।

इस दौरान एकत्रित जनसमूह ने सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने सावित्रीबाई फुले के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने पिछड़ा व वंचित वर्ग के लोगों की आवाज उठाते हुए उस समय स्कूल खोल कर बच्चों को पढ़ाना शुरू किया, जिस समय में लड़की को पढ़ाना पाप समझा जाता था। इस मौके पर कांग्रेस एससी सेल के राज्य महासचिव प्रदीप गोच्छी, सुनील जाखड़, एससी सेल जिलाध्यक्ष डॉक्टर विजय, धर्म सिंह, राजेंद्र जुलाना, जयपाल, रोहतास, शीला देवी, सोना देवी, फूलवती, सुनीता रानी, सुदेश देवी, संतोष, हितेष निगम, ओमप्रकाश खेड़ा, नरेश कुमार, मुख्याध्यापक रमेश चंद्र, मनीष खेड़ा, कार्तिक जाखड़, जयप्रकाश कादियान सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान सावित्रीबाई फुले को श्रद्धांजलि देते हुए लोग। फोटो : हरिभूमि

अंबेडकर सभा ने किया फुले को नमन

भाजपा नेता जसबीर सैनी ने शिरकत की

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

लाइनपार स्थित अंबेडकर भवन में शनिवार को अंबेडकर सभा द्वारा माता सावित्रीबाई फुले की जयंती मनाई गई। इसमें मुख्य रूप से भाजपा नेता जसबीर सैनी ने शिरकत की। अंबेडकर सभा के प्रधान उमेद सिंह, शिक्षिका ललिता देवी, हेड मास्टर रामानंद रंगा, राम भगत चहल, ईश्वर दत्त, करतार सिंह सिंहमार, गोविंद सिंह लागान, जय सिंह सैनी, सुभाष शर्मा, राजेश बामनिया, मोहन चोपड़ा, राजवीर सिंह, भीम सिंह, जसवीर सिंह, हरीश चहल, ईश्वर सिंह, सुभाष सरोहा आदि ने माता सावित्रीबाई फुले व संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

बहादुरगढ़। अंबेडकर सभा में सावित्रीबाई फुले को श्रद्धांजलि देते लोग। फोटो : हरिभूमि

पर्यावरण बचाने के लिए कपड़े के थैले का इस्तेमाल करें : एसडीएम

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बढ़ते प्रदूषण की रोकथाम और पर्यावरण सुरक्षा के लिए शुरू किए गए अपने अभियान के चलते वीर मूवीज के निर्माता-निर्देशक विरेन्द्र कौशिक और रमेश सुखीजा ने अपनी नई शॉर्ट फिल्म के जरिए इस दिशा में लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया है।

उल्लेखनीय है कि वीर मूवीज से जुड़े कलाकार इससे पहले भी नशा मुक्ति, जल संरक्षण व बेटी बचाओ जैसे जनहित से जुड़े कई मुद्दों पर अपनी फिल्मों के माध्यम से देश के करोड़ों लोगों तक अपना संदेश पहुंचाने में सफल रहे हैं। इसी सिलसिले में उन्होंने एसडीएम अभिनव सिवाच से भेंट कर उन्हें अपनी शॉर्ट फिल्म तथा इसके उद्देश्य से अवगत कराया। एसडीएम सिवाच ने भी उनके इस प्रयास की सराहना करते हुए नागरिकों से प्रदूषण की वृद्धि का प्रमुख कारण बनी प्लास्टिक की थैलियों का बहिष्कार कर कपड़े के थैलों का प्रयोग करने की सलाह दी।

एसडीएम को कपड़े का थैला भेंट करते वीरेंद्र कौशिक व कृष्ण गोपाल विद्यार्थी।

चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए गांवों में ठीकरी पहरा लगवाने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ जाटूसाना

जाटूसाना थाना प्रबंधक भगवत प्रसाद ने शनिवार को क्षेत्र के मौजिज व्यक्तियों के साथ बैठक कर उन्हें विभिन्न अपराधों की जानकारी व उनसे बचाव सहित नशे के दुष्प्रभावों को लेकर जागरूक किया। इसके अलावा सर्दी के मौसम में बढ़ती चोरी की वारदातों को रोकने के लिए गांव में ठीकरी पहरा लगाने के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए।

एसएचओ जाटूसाना ने कहा कि सर्दी के मौसम में गांवों में चोरी की घटनाएं बढ़ने लगती है। इन घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए गांवों में नियमित रूप से ठीकरी पहरा लगवाना जरूरी है ताकि चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सकें। उन्होंने कहा कि गांवों में शरारती तत्वों, नशाखोरी करने व संदिग्धों व्यक्तियों पर भी नजर रखे तथा इनकी सूचना तुरंत पुलिस को डायल-112 पर दे। पुलिस प्रशासन की ओर से जल्द और कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने मौजिज व्यक्तियों से गांवों में अधिक से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाने की भी अपील की।

रेवाड़ी। ग्रामीणों के साथ बैठक करते जाटूसाना थाना प्रभारी। फोटो : हरिभूमि

राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल में लगाया एनएसएस शिविर

स्वयंसेवकों को यातायात नियमों की पालना की दी सीख

> सात दिवसीय विशेष शिविर के तीसरे दिन योगाभ्यास व भोजन बनाने समेत कई गतिविधियां की

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल बहादुरगढ़ में राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई ने अपने सात दिवसीय विशेष शिविर के तीसरे दिन भी योगाभ्यास व भोजन बनाने समेत कई गतिविधियां की। इस दौरान यातायात थाना प्रबंधक सतीश कुमार ने स्वयंसेवकों को यातायात नियमों का पालन करने की सीख दी।

ललिता और वंशिका ने अन्य स्वयंसेवकों के साथ मिलकर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पर एक लघु नाटिका प्रस्तुत की। तृप्ति और महक ने मंच संचालन किया। एसएचओ सतीश कुमार ने ट्रैफिक नियमों के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए मानव जीवन को अमूल्य बताया। साथ ही वाहन दुर्घटना से बचने के उपाय बताए। श्री रामचंद्र मिशन हार्टफुलनेस मेडिटेशन संसार से जुड़ी कांता सांगवान ने स्वयंसेवकों को मेडिटेशन कराकर मानसिक शांति के मूल्य को बताया।

प्रधानाचार्य मंजू रानी ने स्वयंसेवकों से आह्वान किया कि सदैव यातायात नियमों का पालन करें। हिंदी प्रवक्ता जोगेंद्र सिंह और शारीरिक शिक्षक मनदीप दलाल ने अतिथियों को पौधा देकर सम्मानित किया। एनएसएस इंचार्ज राकेश वत्स और कोमल गौतम ने स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन व प्रोत्साहन किया। इस अवसर पर अध्यापक अमरदीप, विजय छिल्लर, बलवान सिंह, लक्ष्य, पारुल व दीपांशु आदि मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। कैंप के दौरान भोजन बनाने में जुटे स्वयंसेवक। फोटो : हरिभूमि

खबर संक्षेप

5 से 12 जनवरी तक चलेगा नशे के खिलाफ जागरुकता अभियान

झज्जर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में 5 से 12 जनवरी तक ड्रग अवेयरनेस एंड वेलनेस नेविगेशन फॉर ए ड्रग फ्री इंडिया स्कीम के अंतर्गत विशेष जागरुकता गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। सीजेएम एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव विशाल ने बताया कि अभियान के अंतर्गत जिला विधि सेवा प्राधिकरण के पैरा लीगल वालिंटियर को विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों एवं क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे नशे से दूर रह स्वस्थ जीवन अपनाएं।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त योजना में मिलेगी 1.10 लाख रुपये की सब्सिडी

झज्जर। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बताया कि केंद्र व राज्य सरकार द्वारा आमजन को स्वच्छ एवं सस्ती ऊर्जा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त योजना क्रियाविंत की जा रही है। इस योजना के तहत पात्र परिवारों को रूफ टॉप सोलर पैनल लगाने पर आकर्षक सब्सिडी प्रदान की जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त योजना के अंतर्गत हरियाणा प्रदेश के एक लाख गरीब परिवारों को सौर ऊर्जा से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। योजना के तहत लाभार्थियों को कुल 1.10 लाख रुपये की सब्सिडी का लाभ मिलेगा।

दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना में 16724 को मिला लाभ

झज्जर। डीसी स्वप्निल रविन्द्र पाटिल ने कहा कि हरियाणा सरकार ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक और ऐतिहासिक व दूरदर्शी कदम उठाते हुए दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना के दायरे का विस्तार किया है। इस विस्तार से जिले में भी पात्र महिलाओं को आर्थिक मजबूती का संबल प्राप्त होगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान में जिले में योजना के पात्र लाभर्थियों की संख्या 16 हजार 724 है। उन्होंने बताया कि सामाजिक विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से लाडो लक्ष्मी योजना में तीन नई श्रेणियां जोड़ी गई हैं। इन श्रेणियों के लिए पारिवारिक वार्षिक आय 1 लाख 80 हजार रुपये से कम होनी चाहिए तथा लाभ अधिकतम तीन बच्चों तक सीमित रहेगा।

संस्कारम विश्वविद्यालय के तृतीय स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में लगाया रक्तदान शिविर

365 विद्यार्थियों और स्टाफ सदस्यों ने रक्तदान के लिए बढ़ाए हाथ, प्रशस्ति पत्र से किया सम्मानित

विश्वविद्यालय के चेयरमैन डॉ. महिपाल ने युवाओं को समाजसेवा के लिए प्रेरित किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

संस्कारम विश्वविद्यालय के तृतीय स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। संस्कारम हॉस्पिटल और ट्रॉमा सेंटर में आयोजित इस रक्तदान शिविर में विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित संस्कारम विश्वविद्यालय के चेयरमैन डॉक्टर महिपाल ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि रक्तदान मानवता की सबसे महान सेवा है। यह ऐसा पुण्य कर्म है, जिसमें बिना किसी आर्थिक व्यय के किसी अनजान व जरूरतमंद को नया जीवन प्रदान किया जा सकता है। इसका कोई विकल्प नहीं है और समय पर मिला रक्त किसी की जीवन-डोर को टूटने से बचा सकता है।

उन्होंने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व निभाने वाले संवेदनशील नागरिकों का निर्माण करना है। इसी सोच के अंतर्गत विश्वविद्यालय समय-समय पर रक्तदान, स्वास्थ्य शिविर, स्वच्छता अभियान, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जागरूकता से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन करता रहता है। उन्होंने बताया कि दान किया गया रक्त विश्वविद्यालय से संबद्ध मेडिकल कॉलेज एवं संस्कारम हॉस्पिटल और ट्रॉमा सेंटर में उपचाराधीन मरीजों के लिए जीवनरक्षक सिद्ध होगा।

झज्जर। रक्तदान शिविर की शुरुआत करते हुए चेयरमैन डॉक्टर महिपाल। फोटो : हरिभूमि

चेयरमैन डॉ. महिपाल ने कहा-रक्तदान मानवता की सबसे महान सेवा है। यह ऐसा पुण्य कर्म है, जिसमें बिना किसी आर्थिक व्यय के किसी अनजान व जरूरतमंद को नया जीवन प्रदान किया जा सकता है

समाज व मानवता के प्रति भी सजग रहें युवा

शिविर में कुल 365 यूनिट ब्लड एकत्र किया गया। युवा विद्यार्थियों और स्टाफ सदस्यों ने रक्तदान कर यह संदेश दिया कि आज का युवा केवल अपने कॅरियर के प्रति ही नहीं, बल्कि समाज और मानवता के प्रति भी सजग है। इस दौरान उपस्थित चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ ने रक्तदाताओं को रक्तदान के महत्व, सावधानियों और इसके स्वास्थ्य के लाभों के बारे में भी जागरूक किया। मेडिकल साइंस कॉलेज के निदेशक अजीत सिंह ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सुरक्षित रक्त उपलब्धता किसी भी स्वास्थ्य प्रणाली की रीढ़ होती है। नियमित रक्तदान से न केवल जरूरतमंद मरीजों को लाभ होता है, बल्कि रक्तदाता स्वयं भी कई स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करता है। सभी रक्तदाताओं को संस्थान द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

झज्जर। शिविर में रक्तदान करते हुए नर्सिंग ऑफिसर ममता।

शिविर में 36 युवाओं ने किया रक्तदान

झज्जर। रोहतक लोकसभा सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा के जन्मदिन के उपलक्ष्य में शनिवार को युवा कांग्रेस द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। युवा कांग्रेस के शहरी अध्यक्ष रामअवतार गहलावत दीपक ने बताया कि शहर के रोहतक रोड स्थित चौधरी छोटूराम किसान धर्मशाला में आयोजित इस रक्तदान शिविर में 36 युवाओं ने रक्तदान किया। शिविर में रक्त संग्रहण का कार्य स्थानीय नागरिक अस्पताल के ब्लड बैंक की टीम द्वारा किया गया। इस दौरान डॉक्टर रॉबिन, नर्सिंग ऑफिसर ममता, काउंसलर अशोक, मीनाक्षी गहलावत, राखी और विजय आदि ने सेवाएं दीं। चिकित्सकों के अनुसार दान किए गए रक्त से कंपोनेंट मशीन द्वारा एफएफपी, पीआरबीसी व होल ब्लड अलग किया जाएगा, जिससे करीब 118 लोगों की जान बचाई जा सकती है। रेडक्रॉस सोसायटी दीपक व तुलसा ने बताया कि सोसायटी की ओर से रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

बहादुरगढ़। सावित्रीबाई फुले को श्रद्धांजलि देते सैनी समाज के लोग।

सैनीपुरा में मनाई सावित्रीबाई फुले की जयंती

बहादुरगढ़। शहर के सैनीपुरा में भारत की प्रथम महिला शिक्षिका माता सावित्रीबाई फुले की 195वीं जयंती सैनी समाज द्वारा श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। प्रधान गौरव सैनी की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में जसबीर सैनी, रोहित सैनी, सुभाष शर्मा, चिंटू जांगड़ा, राजकपूर पांचाल, रामकुमार सैनी, कवर सैनी, राजबीर सैनी, पुनीत प्रधान, सुभाष सैनी, करण कुमार, धर्मबीर सैनी व राजेश सैनी आदि ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए माता सावित्रीबाई फुले को नमन किया। वक्ताओं ने माता सावित्रीबाई फुले के जीवन, संघर्ष और महिला शिक्षा के क्षेत्र में उनके अतुलनीय योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। गौरव सैनी ने बताया कि तमाम विरोध के बावजूद वे अपने लक्ष्य से कभी पीछे नहीं हटीं और निरंतर महिला शिक्षा के लिए कार्य करती रहीं। पूर्व पार्षद जसबीर सैनी ने कहा कि हमें उनके विचारों से प्रेरणा लेकर समाज में शिक्षा और समानता को मजबूत करना चाहिए।

टीन यूनिवर्स का खिताब जीतने पर सबूरी का सम्मान

- सर्वोदय जनित समाज कल्याण संस्था द्वारा सावित्रीबाई फुले की जयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

सर्वोदय जनित समाज कल्याण संस्था द्वारा शहर की पंजाबी धर्मशाला में प्रथम शिक्षिका सावित्रीबाई फुले की जयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर परिषद के चेयरमैन जिले सिंह सैनी व शिवचरण गोयल ने विशेष रूप से शिरकत की। उन्होंने सावित्री बाई फुले के जीवन पर प्रकाश डालते हुए शिक्षा क्षेत्र में दिए गए उनके अतुलनीय योगदान से अवगत कराया। संस्था प्रधान प्रदीप शर्मा ने उपस्थित लोगों को बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का संदेश देते हुए कहा कि जब बेटियां शिक्षित होंगी तभी समाज आगे बढ़ेगा। संस्था सदस्य जयशंकर चौहान ने संस्था द्वारा किए जा रहे सामाजिक कल्याण कार्यों की जानकारी दी। इस दौरान बच्चों द्वारा एक विशेष सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई जिसमें नारी शिक्षा, गीता सार, योग

झज्जर। कुमारी सबूरी को सम्मानित करते हुए संस्था सदस्य एवं अतिथि।

रेखाचित्र के माध्यम से किया फुले को नमन

झज्जर। क्षेत्र के गांव भदाना की चौपाल में भूगोल प्राध्यापक मुकेश शर्मा व अंशुल शर्मा ने सावित्री बाई फुले की जयंती की पूर्व संध्या पर उनका रेखाचित्र बनाकर श्रद्धांजलि दी। मुकेश शर्मा ने बताया कि सावित्रीबाई ज्योतिराव फुले का जन्म 3 जनवरी 1831 को हुआ था। वह भारत की प्रथम महिला शिक्षिका, समाज सुधारिका एवं मराठी कवयित्री थीं। उन्होंने स्त्री अधिकारों एवं शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए। उन्हें आधुनिक मराठी काव्य का अग्रदूत माना जाता है। उन्होंने विधवा विवाह, छुआछूत मिटाना, असहाय महिलाओं को शिक्षा के प्रति प्रेरित किया। इस दौरान भूतपूर्व सैनिक देवीदत्त शर्मा, सूबेदार सुभाष शर्मा, संदीप, धर्म, प्रशांत, केशव शर्मा, अर्जुन शर्मा, अलीशा शर्मा सहित अन्य भी मौजूद रहे।

अभ्यास आदि शामिल रहे। इस दौरान टिन यूनिवर्स हरियाणा का खिताब जीतने वाली कुमारी सबूरी को भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष केशव सिंघल, पार्षद जयपाल सिंह बांगड़, सुशीला राठी, कौशल्या वर्मा, एडवोकेट सरला शर्मा, आरती वर्मा, नितिन, भगवान दास शर्मा, राजेंद्र कौशिक, नरेश शर्मा, सूरजभान सैनी, निरंजन सेठी, नरेंद्र, उमाशंकर शर्मा, करतार सिंह, मास्टर जेके, गुलशन शर्मा, मास्टर करण, शैलेष कांगड़ा, संजय शर्मा, अशोक, जयपाल, अमित, मास्टर हंस वर्मा, राज सिंह सोनी सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

परिवार व समाज के लिए घातक है नशा : महंत

- जटेला धाम में पूर्णिमा के उपलक्ष्य में विशाल सत्संग व भंडारे का किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

स्वामी नितानंद महाराज की तपोभूमि जटेला धाम में पूर्णिमा के उपलक्ष्य में विशाल सत्संग व भंडारे का आयोजन किया गया। सत्संग के दौरान जटेला धाम के महंत राजेंद्र दास ने साध-संगत को आध्यात्मिक ज्ञान से अवगत कराते हुए श्रद्धालुओं को जीव कल्याण की भावना के लिए प्रेरित किया। उन्होंने इस दौरान नशामुक्ति को लेकर एक जागरुकता मुहिम का शुभारंभ किया। जिसके लिए स्वामी नितानंद मिशन फाउंडेशन द्वारा स्वीटी मलिक को ब्रांड एंबेसडर के रूप में चुना गया। उन्होंने बताया कि स्वीटी मलिक ने नशामुक्ति अभियान के अंतर्गत लगभग 60 हजार किलोमीटर की साइकिल यात्रा कर युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि आज का युवा नशे की ओर बढ़ रहा है। नशे की लत व्यक्ति को जघन्य अपराधों की तरफ धकेल देती है, जो परिवार और समाज दोनों के लिए घातक सिद्ध होती है। उन्होंने विभिन्न सामाजिक संस्थाओं, संगठनों, शिक्षण संस्थानों तथा युवाओं से नशामुक्ति अभियान को सफल बनाने के लिए भरपूर सहयोग देने का आह्वान किया। इसके अलावा जटेला धाम के प्रस्तावित आयुष अस्पताल के लिए राशि देने वाले दानदाताओं को भी सम्मानित किया गया।

झज्जर। ब्रांड एंबेसडर स्वीटी मलिक को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए महंत राजेंद्र दास व अन्य।

एआई से उत्पादकता बढ़ाने, कार्यों को स्वचलित करने व नवाचार बढ़ाने में मिलेगी मदद : गुलिया

- सीबीपी कार्यशाला में अध्यापकों को दिया एआई का प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

एचडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में सीबीपी की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें साठ अध्यापकों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विषय की जानकारी दी गई। प्राचार्य सतबीर सिंह और रिसोर्स पर्सन नीलम कुमारी के निर्देशानुसार आयोजित इस कार्यशाला में प्रशिक्षक सोनू लोहचब डीएवी स्कूल गुरुग्राम और संजना अरोड़ा ब्लू बेल्स मॉडल स्कूल गुरुग्राम ने अध्यापकों को कृत्रिम बुद्धिमता की सरल व सहज भाषा में बारीकी से अनेक जानकारियां दीं। उन्होंने बताया कि मशीनों द्वारा इंसानों जैसी सोचने, समझने, सीखने, निर्णय लेने की शक्ति आदि क्षेत्रों में सक्षम बनाते हैं। वहीं एच डी ग्रुप डायरेक्टर रमेश गुलिया ने बताया कि भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जनक डॉक्टर राज रेड्डी ने भविष्य को ध्यान में रखते हुए इसका निर्माण करके मानव जीवन को अत्यंत सुखमय बना दिया है। उत्पादकता बढ़ाना, कार्यों को स्वचालित करना और नवाचार को बढ़ावा देना आदि इसके अनेक लाभ हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस 21वीं सदी के भारत की सबसे क्रांतिकारी तकनीकों में से एक मानी गई है।

झज्जर। कार्यशाला के दौरान उपस्थित प्रशिक्षक एवं अध्यापक।

संस्कारम पब्लिक स्कूल खातीवास में चल रहे कंबाइंड एनुअल ट्रेनिंग कैंप का तीसरा दिन

एनसीसी कैडेट्स को दी हथियार और साइबर सिक्योरिटी की जानकारी

कर्नल वीरेंद्र मोहन ने कैडेट्स को अनुशासन में रहने की सीख दी

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

संस्कारम पब्लिक स्कूल खातीवास में चल रहे कंबाइंड एनुअल ट्रेनिंग कैंप के तीसरे दिन कैडेट्स को वेपन नॉलेज, डिजास्टर मैनेजमेंट, महिला सशक्तिकरण व साइबर सिक्योरिटी विषय पर जागरूक किया गया। कैंप कमांडेंट कर्नल वीरेंद्र मोहन ने कैडेट्स को अनुशासन में रहने की सीख देते हुए कैंप में दिए जा रहे प्रशिक्षण का भरपूर लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। वेपन नॉलेज सत्र के दौरान प्वाइंट 0.22 राइफल का आम बयान खोलना व सफाई का प्रशिक्षण दिया गया। नेशनल डिजास्टर रिस्पांस फोर्स की टीम ने कैडेट को डिजास्टर मैनेजमेंट का प्रशिक्षण दिया। यातायात पुलिस टीम से सतीश कुमार व सत्यप्रकाश तथा महिला थाना प्रभारी किरण ने कैडेट्स को सड़क सुरक्षा, महिला सुरक्षा व महिला सशक्तिकरण बारे संबोधित किया। इसी प्रकार मेजर पीके मलिक व कांस्टेबल दीपक कुमार ने साइबर सिक्योरिटी तथा डॉक्टर प्रिया यादव ने हेल्थ एंड हाइजीन विषय पर कैडेट्स को सचेत किया। इस मौके पर चीफ ऑफिसर मुकेश, वीरेंद्र सिंह, सूबेदार मेजर राकेश कुमार उपस्थित रहे।

झज्जर। कैंप में वक्ताओं को सम्मानित करते हुए सैन्य अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

स्वयंसेवकों को कराया योगासनों का अभ्यास

झज्जर। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जहाजगढ़ में चल रहे एनएसएस शिविर के छठे दिन स्वयंसेवकों को विभिन्न योगासनों की जानकारी देते हुए योगाभ्यास कराया गया। शिविर में आचार्य बलदेव ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने स्वयंसेवकों को विभिन्न आसनों से होने वाले शारीरिक लाभों से अवगत कराते हुए भुजंग आसन, त्रिकोण आसन, गौमुख आसन और भद्रासन आदि का अभ्यास भी कराया। उन्होंने स्वयंसेवकों से योगासनों को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया। एनएसएस इंचार्ज मंदीप ने मेडिटेशन बारे व्याख्यान की प्रस्तुति देते हुए गुरुकुल की शिक्षापद्धति पर प्रकाश डाला। हिंदी प्रवक्ता पवन कुमार ने स्वयंसेवकों को अच्छी सेहत के उपाय बताते हुए कहा कि सुबह जल्दी उठकर नियमित व्यायाम करने से मस्तिष्क तीव्र और शरीर स्वस्थ रहता है।

झज्जर। स्वयंसेवकों को योगाभ्यास कराते हुए आचार्य बलदेव।

दहेज उत्पीड़न मामले का आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने दहेज की मांग पर विवाहिता से मारपीट करने और धमकी देकर घर से निकालने के आरोप में दर्ज मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वर्ष 2024 में दर्ज विवाहिता की शिकायत के आधार पर दोनों पक्षों के बीच सुलहनामा कराने के प्रयास किए थे। बार-बार काउंसलिंग कराने के बाद भी समझौता नहीं हुआ। पुलिस ने बीते वर्ष 21 जुलाई को ससुराल पक्ष के लोगों पर केस दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने राजस्थान के पीवरा निवासी अजय कुमार को गिरफ्तार कर लिया।

सूचना

मैं, जय भगवान सुपुत्र श्री चंद्र भान निवासी म. नं. 2605, सै. 3 रोहतक हाउसिंग बोर्ड जिला रोहतक हरियाणा हाल निवासी म. नं. 398-399 सै. 7 जिला बहादुरगढ़ जिला झज्जर 124507 बयान करता हूं कि मेरा पुत्र कुलदीप भारद्वाज मेरे कहने-सुनने से बाहर है। इसलिये मैं इसको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इससे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

खबर संक्षेप

झज्जर। अस्पताल परिसर में शव की शिनाख्त करने पहुंचे मृतका के परिजन। फोटो : हरिभूमि

बाकरा हेड में मिला सप्ताह भर से लापता महिला का शव

झज्जर। क्षेत्र के बाकरा हेड में एक महिला का शव मिला है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची तथा कर्मचारियों व राहगीरों की सहायता के शव को पानी से बाहर निकलवाकर उसे पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल भिजवाया। मृतका की पहचान रोहतक जिले के गांव बोहर निवासी करीब 55 वर्षीया संतोष पत्नी सतबीर के तौर पर हुई है। शव की शिनाख्त करने अस्पताल पहुंचे परिजनों ने बताया कि संतोष बीती 26 दिसंबर से लापता थी। उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट भी पुलिस को दी गई थी। मामले के जांच अधिकारी संदीप ने बताया कि शनिवार को अस्पताल में फोरेंसिक एक्सपर्ट उपस्थित न होने से शव का पोस्टमार्टम नहीं हो पाया। शव को पीजीआई भेजा है।

मरम्मत के कारण बाधित रहेगी बिजली आपूर्ति

बहादुरगढ़। बिजली निगम की ओर से रविवार 4 जनवरी को 132 केवी नूना माजरा बहादुरगढ़ सर्किट और सर्किट-2 पर 132 केवी सब स्टेशन बहादुरगढ़ में मरम्मत कार्य किया जाएगा। सुबह 10 बजे से लेकर साढ़े 11 बजे तक 33 केवी के 6 फीडरों व 11 केवी के 10 फीडरों पर बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। एसडीओ प्रियांक के अनुसार सेक्टर-2, पुराने पावर हाउस, सराय औरंगाबाद, सूर्या रोशनी, एससीएल के अलावा नया गांव, पब्लिक हेल्थ, एनआईएफ, गांधी चौक, लुक्सर एपी, हुडा, जेबीजीएल, सेक्टर-13 व एचएल सिटी फीडर पर बिजली बाधित रहेगी।

आरटीआई में खुलासा : पालतू कुत्तों का पंजीकरण नहीं करवा रहे शहरवासी

- 1 जनवरी 2024 से 29 अगस्त 2025 तक कुत्तों के पंजीकरण का केवल एक आवेदन आया
- 500 रुपये वार्षिक फीस लेकर होता है पालतू कुत्तों का पंजीकरण, 250 रुपये नवीनीकरण में लगते हैं
- सतपाल हाड़ा ने नगर परिषद में जन सूचना अधिकार कानून के तहत आवेदन कर मांगी थी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बेशक नियमानुसार नगर परिषद में पालतू कुत्ते का पंजीकरण करवाना आवश्यक है, लेकिन बहादुरगढ़ शहर में असंख्य लोगों ने अपने घरों में खतरनाक कुत्ते पाल रखे हैं। हालांकि नगर परिषद से केवल एक शहरवासी ने ही लाइसेंस लिया है। शहर में मीट बेचने का लाइसेंस भी नहीं जारी किया गया है, जबकि शहर में अनेक दुकानों पर खुलेआम मीट बेचा जा रहा है। यह जानकारी एक्टीविस्ट सतपाल हाड़ा द्वारा किए गए आरटीआई आवेदन के जवाब में मिली है। दरअसल, सतपाल हाड़ा ने नगर परिषद में जन सूचना अधिकार कानून के तहत आवेदन कर कुल सात बिंदुओं पर जानकारी मांगी थी। नप के जन सूचना अधिकारी द्वारा उपलब्ध करवाई गई जानकारी के अनुसार नगर परिषद में 1 जनवरी 2024 से 29 अगस्त 2025 तक शहर में केवल एक ही पालतू कुत्ते का पंजीकरण करवाया गया है। इसके एवज में नगर परिषद को 500 रुपये राजस्व के रूप में प्राप्त हुआ है। जबकि एक भी लाइसेंस का नवीनीकरण नहीं हुआ है जिसकी फीस प्रति वर्ष 250 रुपये है। नियमानुसार प्रतिवर्ष लाइसेंस का नवीनीकरण करवाना होता है। हालांकि शहर में हजारों की संख्या में लोगों ने अपने घरों में कुत्ते पाल रखे हैं। इससे नगर परिषद को प्रतिवर्ष लाखों रुपये का नुकसान हो रहा है। इसके अलावा कुत्तों का पंजीकरण न होने की वजह से रिकॉर्ड रखने व योजनाएं बनाने में भी दिक्कत होती है। इसके साथ ही उनके टीकाकरण की भी जानकारी नहीं मिल पाती।

- पंजीकरण न करवाने से कुत्तों का न तो मिल पा रहा रिकॉर्ड और न ही टीकाकरण की जानकारी

जनहित याचिका दाखिल कर करवाएंगे समाधान

हाड़ा ने आरोप लगाया कि नगर परिषद प्रॉपर्टी टैक्स वसूलने के लिए नोटिस भेजने में आगे रहती है, लेकिन कुत्ते पालने वालों को भी नोटिस भेजने में पूरी तरह निष्क्रिय है। माननीय उच्चतम न्यायालय में स्ट्रे डॉग की संख्या को नियंत्रित करने बारे जनहित याचिका दाखिल की जाएगी। शहरी स्थानीय निकाय विभाग से भी इस विषय में शीघ्र कार्रवाई का अनुरोध किया जाएगा। उनके अनुसार बहादुरगढ़ के नागरिक अस्पताल में भी प्रतिमाह 3 हजार एंटी रेबीज इंजेक्शन की आपूर्ति होनी चाहिए।

सतपाल हाड़ा

सात जनवरी को वेतन और एक हजार रुपये बढ़ाने के वादे पर हड़ताल खत्म

तीसरे दिन दोपहर को सफाई कर्मचारियों ने वापस लिया आंदोलन

- सफाई कर्मचारियों के तीन दिन हड़ताल पर रहने से जगह-जगह सड़ रहे गंदगी के ढेर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बकाया वेतन की मांग और ठेका प्रथा के विरोध में सफाई कर्मचारी लगातार तीसरे दिन भी धरने पर बैठे। हालांकि कुछ मांग पूरी होने के आश्वासन पर दोपहर के बाद हड़ताल समाप्त करने की घोषणा कर दी गई। दरअसल, वीरवार को यह हड़ताल शुरू हुई थी।

हड़ताली कर्मचारी ठेका प्रथा का विरोध जता रहे थे तथा बकाया वेतन की मांग कर रहे थे। शनिवार को भी नगर परिषद के गेट पर धरना शुरू हुआ लेकिन दोपहर को ठेकेदार व अधिकारियों की ओर से आश्वासन मिलने के बाद हड़ताल खत्म करने का ऐलान किया गया। कर्मचारी नेता राजेश कुमार का कहना है कि ठेकेदार ने सात जनवरी को वेतन डालने तथा एक हजार रुपये बढ़ाने की बात कही है, जिसके बाद फिलहाल हड़ताल खोलकर कर्मचारी काम पर लग गए हैं। उधर, तीन दिन से हड़ताल के चलते शहर में सफाई व्यवस्था ठप हो गई। जगह-जगह गंदगी के ढेर लगे हुए हैं। बाजार, सड़कें, गलियां व नालियां गंदगी से सड़ रही हैं। बाजारों में लोगों का स्वागत बिखरे हुए कचरे से हो रहा है। गंदगी के कारण बीमारियां फैलने का खतरा है। शहर के निवासी प्रवीण ने कहा कि ठेके पर लगे सफाई कर्मियों को बेहद कम वेतन मिलता है। अगर इतना कम वेतन भी समय पर नहीं मिल रहा तो यह बेहद शर्म की बात है। मजबूरीवश वे बार-बार हड़ताल करते हैं, जिस कारण आम नागरिक भी परेशान होते हैं। निशु ने कहा कि लोगों को भी अपने आसपास स्वच्छता का ख्याल रखना चाहिए। दुकानदारों को कचरा बाहर सड़क पर फेंकने के बजाय अपने प्रतिष्ठानों में डस्टबिन की व्यवस्था करनी चाहिए।

बहादुरगढ़। गांधी चौक पर लगा कचरे का ढेर तथा शहर के मेन बाजार में फैला कचरा। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। कमेटी चौक पर लगा गंदगी का ढेर। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। बैठक में प्रशिक्षण कार्यक्रम को लेकर चर्चा करते शिक्षा अधिकारी।

6 व 7 जनवरी को प्रशिक्षण लेंगे प्राथमिक शिक्षक

निपुण कार्यक्रम में 600 से अधिक भाग लेंगे

- एफएलएन कौशल सिखाने के लिए प्रशिक्षित करना जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

निपुण प्रशिक्षण हरियाणा कार्यक्रम मिशन के तहत बहादुरगढ़ के रेलवे रोड स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल में प्राथमिक शिक्षकों का दो दिवसीय प्रशिक्षण 6 जनवरी से शुरू होगा। बीईओ के अनुसार बहादुरगढ़ में 600 से अधिक प्राथमिक शिक्षकों को दो दिनों तक प्रशिक्षण दिया जाएगा।

खंड शिक्षा अधिकारी शेर सिंह ने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यकम दो दिनों के लिए फेस टू फेस मोड में आयोजित किया जाएगा। प्रतिभागियों को केवल तब ही प्रमाण पत्र दिया जाएगा, जब वे दोनों दिनों में ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करेंगे। साथ ही प्री टेस्ट व पोस्ट टेस्ट में भाग लेंगे। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी राजबाला मलिक ने खंड शिक्षा अधिकारियों की बैठक में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निपुण हरियाणा मिशन के जिला समन्वयक डॉ. सुदर्शन पूनिया ने बताया कि प्रतिभागियों को सत्रों के दौरान प्रशिक्षण स्थल छोड़ने की अनुमति नहीं होगी। प्रशिक्षण समाप्त होने पर प्रत्येक शिक्षक को अपना प्रशिक्षण प्रमाण पत्र अपने स्कूल मुखिया को प्रस्तुत करना होगा। यदि स्कूल का कोई शिक्षक प्रशिक्षण में भाग नहीं लेता तो उसकी जिम्मेदारी स्कूल मुखिया की होगी। डीईईओ राजबाला मलिक और डीईओ रतिंद्र सिंह ने बताया कि प्राथमिक शिक्षकों को एफएलएन कौशल सिखाने के लिए प्रशिक्षित करना जरूरी है। ताकि वे बच्चों को प्रभावी ढंग से पढ़ा सकें। ये शिविर राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

कैंटर की चपेट में आने से बुजुर्ग फैक्ट्री कर्मी की मौत, दूसरा घायल

साइकिल सवार व्यक्तियों को टक्कर मारकर कैंटर चालक फरार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

एचएसआईआईडीसी सेक्टर-17 में रफ्तार का कहर देखने को मिला। यहां एक कैंटर ने साइकिल सवार दो फैक्ट्री कर्मियों को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही दोनों उछलकर काफी दूर जा गिरे। हादसे में एक बुजुर्ग फैक्ट्री कर्मी की मौत हो गई, जबकि दूसरे का पीजीआई रोहतक में उपचार जारी है। घायल की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात कैंटर चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। मृतक की पहचान करीब 70 वर्षीय हरिचरण के रूप में हुई है। मूलतः यूपी के संत कबीर नगर का हरिचरण यहां गांव जाखोदा में किराये पर रहता था और सेक्टर-17 स्थित एक फैक्ट्री में काम करता था। यूपी का ही संदीप भी उसके बगल वाले कमरे में रहता और साथ ही फैक्ट्री में काम करता है। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को साइकिल पर सवार होकर दोनों ड्यूटी जा रहे थे। हरिचरण पीछे बैठा था। सेक्टर-17 में जब एक्शन कंपनी के पास पहुंचे तो बीड़ी पीने के लिए साइकिल रोक दी। इसी दौरान एक तेज रफ्तारी कैंटर आया और दोनों को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही वे उछलकर काफी दूर जा गिरे। हादसे के बाद कैंटर चालक मौके से चंपत हो गया। हादसे में दोनों को काफी चोट आई। फिर ऑटो के जरिये नागरिक अस्पताल में ले जाया गया, जहां से पीजीआई रोहतक रेफर कर दिए गए। वहां पीजीआई में इलाज के दौरान हरिचरण को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि संदीप का इलाज जारी है।

आरोपी की तलाश जारी

सूचना पाकर सेक्टर-16 चौकी से पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। चौकी प्रभारी राजेंद्र सिंह का कहना है कि इस संबंध में घायल संदीप के बयान पर कैंटर चालक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। आरोपी चालक की तलाश की जा रही है। जल्द ही मामले को सुलझाएंगे।

बहादुरगढ़। मौके पर जांच करने पहुंची पुलिस।

रोहद के मकान में लगी आग से भारी नुकसान

बहादुरगढ़। गांव रोहद में स्थित एक मकान में आग लग गई। आग से मकान में काफी सामान जल गया। घटना शुक्रवार शाम की है। दरअसल, मकान में रहने वाली महिला काम पर गई हुई थी। जब घर में कोई नहीं था तो अचानक आग लग गई और देखते ही देखते फैल गई। पड़ोसियों की नजर पड़ी तो उन्होंने बचाव शुरू किया। दमकल विभाग की गाड़ी मौके पर पहुंची लेकिन जब तक आग बुझ पाती, तब तक काफी सामान जल चुका था। आसौदा थाना पुलिस ने भी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। शार्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है।

- घटना के वक्त घर पर नहीं था कोई, पड़ोसियों ने दमकल को बुलाया

यातायात नियम तोड़ने वालों पर लगाया तीन करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना

- एक जनवरी से 31 दिसंबर 2025 तक किए 46 हजार 98 चालान
- सबसे अधिक अवैध पार्किंग के 10 हजार 13 चालान काटे गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

यातायात नियमों की अवहेलना करने वालों पर सख्ती बरतने के साथ-साथ हरियाणा पुलिस सरकार के खजाने को भी भर रही है। बीते साल पुलिस ने झज्जर जिले में एक जनवरी से 31 दिसंबर 2025 तक 46 हजार 98 चालान किए। इन चालकों पर तीन करोड़ चार लाख 59 हजार 700 रुपये का जुर्माना लगाया गया। इस तरह सरकार के खजाने में भारी-भरकम राशि जमा हुई। यातायात पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, सबसे अधिक चालान अवैध पार्किंग के किए गए। इस श्रेणी में अकेले 10 हजार 13 चालान काटे गए। इसके अलावा नंबर प्लेट के 3458, हेलमेट न लगाने के 2510, डेंजरस यू-टर्न के 2445, सीट बेल्ट न लगाने के 1888, पॉल्यूशन सर्टिफिकेट के 1863 और लेन बदलने के 764 चालान किए गए। इसी तरह ब्लैक फिल्म के 581 और बुलेट पटाखा के 163 मामलों में भी कार्रवाई की गई। महीनेवार आंकड़ों पर नजर डालें तो जनवरी में 1548, फरवरी में 2435, मार्च में 3068, अप्रैल में 2402, मई में 4019, जून में 3197, जुलाई में 5737, अगस्त में 4761, सितंबर में 4715, अक्टूबर में 5757, नवंबर में 3955 और दिसंबर में 4504 चालान किए गए।

बहादुरगढ़। एक वाहन का चालान करते एसएचओ सतीश कुमार।

जागरूक भी कर रहे

बहादुरगढ़ में ट्रैफिक एसएचओ सतीश कुमार की अगुवाई में यातायात पुलिस वाहन चालकों को नियमों के प्रति जागरूक करने पर जोर दे रही है। जगह-जगह चेकिंग अभियान, जागरुकता कार्यक्रम के जरिए लोगों को नियम पालना के लिए प्रेरित किया जा रहा है। पुलिस कमिश्नर डॉ. राजश्री सिंह ने कहा कि यातायात नियमों की अवहेलना ही सड़क हादसों का बड़ा कारण बनती है। पुलिस द्वारा लगातार जागरुकता अभियान चलाए जा रहे हैं, लेकिन नियम तोड़ने वालों के खिलाफ सख्ती भी जरूरी है। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि यातायात नियमों का पालन करें, ताकि खुद भी सुरक्षित रहें और दूसरों की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सके।

एटीएम के कैश डिस्पेंसर में प्लेट छुपा रुपये निकाले

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

- सीसीटीवी फुटेज में नजर आए दो शातिर, एमआईई चौकी पुलिस जांच में जुटी

एमआईई स्थित एटीएम बूथ में धोखाधड़ी व चोरी का मामला सामने आया है। शातिरों ने मशीन के कैश डिस्पेंसर में एक प्लेट लगा दी और महिला के रुपयों पर हाथ साफ कर दिया। बैंक स्तर पर जांच हुई तो मामले का खुलासा हुआ। मैनेजर की शिकायत पर अब एमआईई चौकी पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में एमआईई स्थित इंडियन बैंक के मैनेजर अनुज ने कहा है कि 29 दिसंबर को बैंक के साथ लगते एटीएम में हमारी बैंक उपभोक्ता लीलावती आई थी। उसने एटीएम से 3500 रुपये निकालने का प्रयास किया, लेकिन नहीं निकले, जबकि उसके खाते से रुपये कट गए। उन्होंने हमें यह शिकायत दी तो खाता चेक किया, जिसमें रुपयों की निकासी दर्ज मिली। फिर कर्मचारियों ने एटीएम बूथ में जाकर जांच की तो मशीन के रुपये निकलने वाली जगह यानी कैश डिस्पेंसर में काले रंग की प्लेट लगी हुई थी। इसी कारण मशीन से रुपये तो जारी हुए लेकिन बाहर नहीं निकल सके। बाद में सीसीटीवी फुटेज चेक करने पर पता चला कि दो युवकों ने लोगों के रुपये हड़पने के मकसद से ब्लैक प्लेट लगाई थी। ग्राहक जाने के बाद प्लेट हटाकर रुपये निकाल ले गए। फुटेज में घटनाक्रम कैद हो गया है। वहीं, एमआईई पुलिस का कहना है कि मामले में जांच की जा रही है।

रजवाहे में गिरने से युवक की मौत

बहादुरगढ़। गांव लडरावण के रजवाहे में एक व्यक्ति का शव मिला। पुलिस ने पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिया है। मृतक की पहचान करीब 21 वर्षीय राजेश के रूप में हुई है। राजेश गांव लडरावण का रहने वाला था। संभवतः पांव फिलसने या अन्य किसी कारण से वह रजवाहे में गिरा और निकल नहीं सका। जब तक किसी की नजर पड़ती देर हो चुकी थी।

बहादुरगढ़। श्रमिकों को लड्डू व पकोड़े वितरित करते समिति सदस्य।

कपूर ने श्रमिकों के साथ मनाया जन्मदिन

बहादुरगढ़। सार्थक सेवा समिति के अध्यक्ष एनएस कपूर सार्थक ने अपना 71वें जन्मदिन पर रेलवे रोड स्थित लेबर चौक पर श्रमिकों को लड्डू और ब्रेड पकोड़े वितरित किए। इस वितरण कार्य में सार्थक परिवार के एसएम पाल, एचसी रोझा, वजीर दहिया, अजीत गोयल, प्रभात कपूर, प्राणवी कपूर व अदव्य कपूर ने सहयोग किया। इससे पहले उन्होंने श्याम मंदिर जाकर बाबा का आशीर्वाद प्राप्त किया। एनएस कपूर ने बताया कि मेहनतकश मजदूरों के बीच ऐसे खुशियां मनाकर आनंद की अनुभूति होती है।

- श्रमिकों को लड्डू और ब्रेड पकोड़े वितरित किए

ठंड में दिल के मरीज रखें सावधानी हार्ट अटैक का बढ़ रहा खतरा

- स्वास्थ्य : ज्यादा मीठी और तली हुई चीजों का प्रयोग करने से परहेज करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

सर्दी की शुरुआत के साथ ही दिल के मरीजों को परेशानी होने लगी है। विशेषज्ञ ऐसे समय में दिल के मरीजों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दे रहे हैं। क्योंकि सर्दियों में रक्त वाहनियां सिकुड़ जाती हैं, जिसका असर दिल को खून पहुंचाने वाली धमनियों पर पड़ता है। इसलिए इस मौसम में हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है। एमडी एवं फिजिशियन डॉ. मोनिल कादियान का कहना है कि सर्दी में ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है। खून गाढ़ा होने से क्लॉटिंग की दिक्कत आ सकती है। साथ ही दिल को खून पहुंचाने वाली नसों में सिकुड़न होने की समस्या हो सकती है। जिससे हार्ट अटैक होने का खतरा होता है। जो लोग हाई ब्लड प्रेशर या फिर पहले से ही दिल के रोग से पीड़ित हैं, उनकी परेशानी और भी बढ़ सकती है। उन्होंने कहा कि इस मौसम में ज्यादा मीठी व तली हुई चीजों का प्रयोग करने से परहेज करें। उन्होंने कहा कि ऐसे में एहतियात बहुत जरूरी है।

इन बातों का रखें ध्यान

- कान और सिर को गर्म कपड़े से ढककर रखें।
- नहाते समय सीधे सिर पर पानी न डालें।
- सुबह और सायं के समय सैर नहीं करें।
- धूप निकलने पर ही सैर करें।
- बीपी और दिल की नियमित तौर पर दवाई लें।
- गुनगुना पानी पीएं।
- शराब और सिगरेट आदि नशे का सेवन न करें।

ठंड में ये हो सकती है परेशानी

- बीपी का बढ़ना
- सिने में दर्द होना
- घबराहट महसूस करना
- सिर, पेट और जोड़ों में दर्द होना आमतौर पर होता है।

डॉ. मोनिल कादियान, एमडी एवं फिजिशियन।

गांधी चौक से हटाए बिजली के पुराने खंभे और तार

बहादुरगढ़। गांधी चौक से हटाए जा रहे लोहे के पुराने एंगल व पोल।

- शहर में बिजली व्यवस्था को सुधारने की दिशा में बढ़ाया कदम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बिजली निगम की ओर से शहर में पुराने बिजली के तारों को बदलने के साथ-साथ लोहे के पुराने खंभे भी बदले जा रहे हैं। इसी कड़ी में शनिवार सुबह मेन बाजार स्थित गांधी चौक पर काम किया गया। यहां पुराने लोहे के खंभे व तार हटाए गए।

सुबह करीब आठ बजे ही काम शुरू कर दिया गया था। दोपहर तक काम जारी रहा। तार भी दुरुस्त किए गए और कुछ बदले गए। इस कार्य के चलते दोपहर तक आसपास के क्षेत्र में बिजली आपूर्ति ठप रही। जिस कारण बिजली संबंधित कामकाज प्रभावित हुए। वहीं लोगों के इंटरनेट व केबल कनेक्शन के तार कटने से कारण दिक्कत आई। दरअसल, शहर में काफी स्थानों पर बिजली के खंभे व तार पुराने हो चुके हैं। सुरक्षा की दृष्टि से इन्हें बदला जाना जरूरी है। इसे देखते हुए बिजली निगम की ओर से काम किया जा रहा है। हालांकि अब भी कई जगहों पर सुधार की गुंजाइश है। खंभों पर इंटरनेट व अन्य केबलों के मकड़जाल के कारण बिजली कर्मियों को काम में मुश्किलों का भी सामना करना पड़ रहा है।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 4 जनवरी 2026

बीते गुरुवार ही नया वर्ष 2026 आरंभ हुआ है। हम सभी की इस बात को लेकर बहुत उत्सुकता है कि इस साल विभिन्न क्षेत्रों में क्या कुछ नया होने वाला है? हमारी लाइफस्टाइल में क्या बदलाव देखने को मिलेंगे? यहां विस्तार से बताया जा रहा है कि इस साल हमारे डेली रूटीन, वर्क कल्चर, डाइट हैबिट, हेल्थ अवेयरनेस और टेक्नोलाइफ में क्या नया होने वाला है?

कवर स्टोरी

संध्या सिंह

इस साल हमारी लाइफस्टाइल होगी हेल्दी-बैलेंस्ड-टेंशनफ्री

साल 2026 की लाइफस्टाइल में जीवन जीने के तरीके में गहरे बदलाव साफतौर पर देखने को मिलेंगे। ये बदलाव सिर्फ सतही फैशन या ट्रेंड के स्तर पर नहीं होंगे बल्कि हमारी सोच, प्राथमिकताओं और जीवन दर्शन के स्तर पर भी दिखेंगे। एक वाक्य में कहा जाए, तो साल 2026 तेज रफ्तार जीवनशैली का नहीं बल्कि संतुलित जीवनशैली का साल होने जा रहा है। आइए क्रमबद्ध ढंग से देखें कि ये बदलाव किस तरह के होंगे।

'ज्यादा' नहीं 'जरूरी' पर होगा फोकस

इस साल लोग ज्यादा चीजों और उपलब्धियों की तरफ न भागकर, जीवन में जरूरी यानी वास्तविक जरूरतों की तरफ फोकस करेंगे। व्यावहारिक तौर पर यह जीवनशैली हमें कम सामान, कम दिखावा और कम चीजों में खुश रहना सिखाएगी। हालांकि इसकी वजह सिर्फ सोच में परिवर्तन नहीं है। इस तरफ बढ़ने की और भी कई वजहें हैं। मसलन, बेतहाशा बढ़ती महंगाई का दबाव, जलवायु संकट, मानसिक थकान और अनिश्चित भविष्य। लब्बोलुआब यह कि इस साल मिनिमलिज्म को अधिकतर लोग अपनाएंगे। लेकिन ऐसा करना मजबूरी नहीं, हमारी समझदारी की वजह से भी होगी।

हेल्थ के प्रति बढ़ेगी अवेयरनेस

कई आंकड़े बताते हैं कि भारतीय लोग, दुनिया में सबसे ज्यादा दवाएं खाते हैं। एंटीबायोटिक दवाएं खाने को तो बहुत सामान्य माना जाने लगा है। दरअसल, हम में से अधिकतर लोग स्वास्थ्य के प्रति सजग नहीं बल्कि ज्यादा चिंतित रहते हैं। लेकिन इस साल हमारी इस सोच में भी बदलाव देखने को मिलेगा। इस साल भारतीय अपने स्वास्थ्य के लिए दवा से ज्यादा दिनचर्या के बदलाव पर जोर देंगे। अच्छी नींद, तनाव से मुक्ति, बेहतर भोजन और भावनात्मक संतुलन पर इस साल हम भारतीय पिछले किसी साल के मुकाबले ज्यादा सहज और सजग रहेंगे, क्योंकि हमारी लाइफस्टाइल में जो तेजी और मारामारी बीते वर्षों में शामिल हुई है, उसके चलते 30 से 40 की उम्र में ही बड़े पैमाने पर भारतीयों में हेल्थ संबंधी समस्याएं देखने को मिल रही हैं। ज्यादातर समय चिंतित रहने के कारण आज 30 से 40 की उम्र में ही बहुत बड़े पैमाने पर भारतीय लोग लाइफस्टाइल डिजीज से पीड़ित हो रहे हैं। कोविड के बाद भारतीयों में बीमारी के प्रति डर और स्वास्थ्य के प्रति चेतना में बढ़ोत्तरी हुई है, जिसका परिणाम यह हुआ है कि अब लोग आयुर्वेद और वेलनेस की ओर आकर्षित हो रहे हैं। यानी पिछले वर्षों में लोगों में रेग्युलर हेल्थ चेकअप, कंसल्टेशन और डाइट कॉन्शसनेस बढ़ी है, उसमें इस साल और इजाफा होगा।

कामयाबी की बदलेगी परिभाषा

आज की तारीख में हम अच्छी नौकरी और ज्यादा से ज्यादा कमाई को अपनी सफलता का पैमाना मानते हैं। लेकिन इस साल हमारी यह सोच भी थोड़ी बदलेगी। इस साल हम कामयाबी यानी अच्छी नौकरी और ज्यादा पैसे के मुकाबले मानसिक शांति को ज्यादा महत्वपूर्ण समझेंगे। इस साल हम समय की कीमत को, कमाई से ज्यादा महत्व देने वाले हैं और फैशन या दिखावे की तुलना में स्वास्थ्य के प्रति सजगता बढ़ेगी। मतलब साफ है कि इस साल हम अर्थपूर्ण ढंग से काम करेंगे और इसकी वजह यह होगी कि एआई और ऑटोमेशन ने नौकरी की स्थिरता पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। कोई भी सुरक्षित नहीं है। एआई के इस युग में किसी की भी नौकरी अचानक जा सकती है। युवा पीढ़ी ने पिछले कुछ सालों में महसूस किया है कि सब कुछ पाने के बाद भी एक खालीपन बना रहता है। इसलिए सब कुछ पाना अब कामयाबी की आखिरी परिभाषा नहीं होगी। जरूरत भर की इनकम में भी अपनों के साथ और प्रकृति के करीब जीवन गुजारने की दिशा में हम आगे बढ़ेंगे।

बदलेगा वर्क कल्चर

वर्क कल्चर की दिशा में इस साल सबसे ज्यादा बदलाव देखने को मिलेगा। अब हमारे रूटीन जीवन पर हमारा प्रोफेशनल वर्क हावी नहीं रहेगा। अब जीवन पर काम का इतना दबाव नहीं होगा कि सिर्फ काम ही काम जिंदगी की प्राथमिकता रहे। अब काम और जीवन में एक व्यापक और समानुपातिक बदलाव देखने को मिलेगा। इस साल जो ट्रेंड सबसे ज्यादा दिखने वाले हैं, उनका रिश्ता भी जीवन और काम से सीधे-सीधे जुड़ता है। मसलन, हाइब्रिड जॉब कल्चर। इस साल सबसे ज्यादा हाइब्रिड जॉब कल्चर के प्रति यंगस्टर्स का झुकाव देखने को मिलेगा। फ्रीलांस वर्क अब नए सिरे से प्रतिष्ठित हो रही गतिविधि है। पहले इसे लोग मजबूरी समझते थे लेकिन अब इसे अपने मन की मर्जी और और पसंद समझा जाने लगा है। इस साल अपनी इच्छा से करियर में ब्रेक को सामाजिक स्वीकृति मिलेगी। अब तक करियर ब्रेक को असफलता के रूप में दर्ज किया जाता था। और इस साल जो देश में लाइफस्टाइल के क्षेत्र में व्यापक बदलाव देखने को मिलेंगे, वह सबसे ज्यादा जीवंत इस तथ्य से होगा कि अब हाई प्रोफेशनल पहचान वाले लोग सिर्फ मेट्रोज में ही नहीं बल्कि छोटे शहरों और दक्षिण भारत के तो गांवों में भी मिलेंगे।

टेक्नोलॉजी का बैलेंस्ड इस्तेमाल

हाल के सालों में टेक्नोलॉजी ने जिस तरह से हर खास और आम लोगों के जीवन में दखल बढ़ाया है, उसके कुछ साइड इफेक्ट्स भी दिखते रहे हैं। अच्छी बात है कि लोगों में इसके प्रति भी अवेयरनेस बढ़ी है। अब टेक्नोलॉजी से लोगों का एडिक्शन कम होना शुरू हो गया है। इस साल अनुमान है कि भारतीय लोग बीते कुछ सालों के मुकाबले कम फोन करेंगे और सोशल मीडिया पर भी कम से कम समय जाया होने देंगे। सोशल मीडिया से दूरी इस साल काफी ज्यादा बढ़ेगी और डिजिटल डिटॉक्स हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का सबसे जरूरी और सहज ढंग बन जाएगा। वास्तव में इस बदलाव का प्रमुख कारण होगा बड़े पैमाने पर भारतीयों में डिजिटल थकान बढ़ने लगी है और आपा-धापी में मन और तन दोनो की एकाग्रता में भारी कमी आई है। इसलिए इस साल बड़े पैमाने पर भारतीय लोग डिजिटल थकान से बचने पर ध्यान देंगे और रिश्तों में बढ़ रही दूरियों को कम करने की कोशिश करेंगे।

इसी तरह इस साल हमें अपने लाइफस्टाइल में रिश्तों की एक नई संस्कृति, खान-पान में स्वास्थ्य के प्रति चेतनता बढ़ी हुई दिखेगी। हर समय काम में डूबे रहने की जगह अपनी रुचि, अपने परिवार और हेल्थ के लिए भी समय निकालेंगे। निश्चित ही ये बदलाव हम सभी के जीवन में सकारात्मक दिशा में बढ़ने में मददगार साबित होंगे। *

साइंस-टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में इस वर्ष खुलेंगे नए आयाम

नया वर्ष 2026 भारत के लिए विज्ञान, तकनीक, रक्षा, पर्यावरण और कृषि क्षेत्रों में प्रगति और चुनौतियों के साथ परिवर्तनकारी संभावनाओं को लेकर आया है। इस साल साइंस और टेक्नोलॉजी में किस तरह के बदलाव दिखेंगे, क्या कुछ दिखेगा नया और अभूतपूर्व, आगामी दिनों की संभावनाओं पर एक नजर।

साइंस-टेक 2026

संजय श्रीवास्तव

नया साल भारत के विज्ञान, तकनीक, रक्षा, पर्यावरण और कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व संभावनाओं को लेकर आया है। अगर सही नीति के तहत निश्चित कार्य योजना बनाकर आगे बढ़ा गया तो देश का 2030 तक 7 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था और वैश्विक टॉप श्री सुपरपावर्स में शामिल होने का सपना जरूर पूरा होगा। बेशक, इस मार्ग में चुनौतियां कम नहीं हैं, पर हम इस वर्ष से सस्ते हरित ऊर्जा, तेज इंटरनेट, सुरक्षित साइबर स्पेस, रक्षा आत्मनिर्भरता से मजबूत होती सुरक्षा, पर्यावरण सुधार, शुद्ध पेयजल के साथ समृद्ध कृषि की आशा रख सकते हैं। सरकार, उद्योग और नागरिकों का समेकित प्रयास इस लक्ष्य का मार्ग प्रशस्त करेगा।

डीपटेक में होगी प्रगतिः इस साल डीपटेक सबसे बड़ी संभावना वाला क्षेत्र बनकर उभरेगा। अनुमान है कि आने वाले समय में एक लाख स्टार्टअप्स में से 20 प्रतिशत डीपटेक, खासकर क्वांटम, बायोटेक पर केंद्रित होंगे। इस क्षेत्र में निवेश 2025 के 50 बिलियन डॉलर से बढ़कर 70 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। सेमीकंडक्टर मैन्युफेक्चरिंग व डिजाइन में प्रोत्साहन योजनाओं, एआई मिशन और विश्वविद्यालय-उद्योग सहयोग के विस्तार से रणनीतिक स्वायत्तता और आर्थिक मजबूती मिलेगी। सेमीकंडक्टर डिजाइन में भारत की प्रतिभा वैश्विक कंपनियों को भा रही है, सो इस साल इस क्षेत्र में घरेलू स्टार्टअप्स के उभरने की पूरी संभावना है।

नए आसमान छुएगा इसरोः इसरो बीते सालों की तरह ही इस साल भी अपनी उपलब्धियों की वजह से खबरों में छाया रहेगा। स्वदेशी इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन प्रणाली के प्रदर्शन, इंडो-मॉरीशस संयुक्त उपग्रह और ध्रुव स्पेस का लीप-2 उपग्रह भेजने के साथ गगनयान परियोजना का पहले मानवरहित मिशन समेत तकरीबन दर्जन भर महत्वपूर्ण प्रक्षेपण उसकी कार्य सूची में हैं। इसकी कम लागत नवाचार, उपग्रह संचार और पृथ्वी-अवलोकन सेवाएं कृषि, आपदा प्रबंधन और लॉजिस्टिक्स में बड़े बदलाव लाएंगी। रडार सिस्टम, सैटेलाइट कम्युनिकेशन, प्रिसिजन इलेक्ट्रॉनिक्स और एडवांस मैपिंग तकनीक की दुनियाभर में मांग बढ़ रही है। इन सेक्टर में छोटे-छोटे स्मॉलकैप कंपनियों की बढ़ती भूमिका के तहत 2026 तक स्पेस टेक्नोलॉजी से कमाई की तस्वीर बदलेगी।

डिफेंस सेक्टर में होंगे मजबूतः डीआरडीओ और निजी उद्योग की भागीदारी रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण की गति को बढ़ाएगी तो स्वदेशी हथियार प्रणालियों, ड्रोन, एआई-डिफेंस और साइबर क्षमताओं में नई उपलब्धियां हासिल होंगी। हाइपरसोनिक हथियार, उन्नत लड़ाकू विमान, अग्नि-6 मिसाइल परीक्षण, सुखोई 30 को तेजस एमके-2 से बदलना और डीआरडीओ के एआई-संचालित ड्रोन सेल्फ अरमाडा परियोजना चर्चा में होंगे, तो आईडेक्स की फंडिंग से तकनीकी स्टार्टअप्स फलेंगे-फूलेंगे। इस बरस डीप ओशन मिशन के तहत विकसित मत्स्य 6000 पनडुब्बी, जो 6000 मीटर की गहराई तक, तीन वैज्ञानिकों को ले जाएगी। यह समुद्री संसाधन, खनिज खोज और वैज्ञानिक अनुसंधान तथा निगरानी के लिए अहम साबित होगी।

बढ़ेंगे 5जी यूजर्सः संसार के दूसरे सबसे बड़े दूरसंचार बाजार में 5जी उपभोक्ता इस वर्ष करीब 330 मिलियन हो जाएंगे। सैटेलाइट इंटरनेट से संचार क्षेत्र में आई क्रांति का एजुकेशन, टेलीमेडिसिन, ग्रामीण कनेक्टिविटी पर प्रभाव दिखेगा। 2026 में भारतनेट के विस्तार से जब गांवों में 100 एमबीपीएस स्पीड वाली कनेक्टिविटी 50 फीसदी तक पहुंचेगी, डिजिटल साक्षरता अभियान के तहत 5 लाख डिजिटल साक्षरता केंद्र खुलेंगे। 6जी पर अनुसंधान भी तेज होगा, इसका असर 2026 में पायलट टेस्ट, पेटेंट और वैश्विक साझेदारियों के रूप में दिखेगा।

ग्रीन एनर्जी का बढ़ेगा यूजः इस साल ग्रीन एनर्जी की फील्ड में स्टार्टअप्स नई उम्मीदें जगाएंगे। ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के तहत 5 मिलियन टन उत्पादन लक्ष्य से ऊर्जा स्वायत्तता मिलेगी। लाइफ मिशन से वन कवर 33 प्रतिशत के करीब पहुंच सकता है। पर्यावरण में हरित हाइड्रोजन, ईवी बैटरी रीसाइक्लिंग और प्रदूषण-नियंत्रण तकनीक शहरों के लिए जीवनरेखा बन सकती हैं। सरकार ऊर्जा-कुशल चिप्स, सस्टेनेबल क्लाउड और एआई-संचालित जलवायु समाधानों में निवेश बढ़ाएगी। प्रदूषण नियंत्रण, हरित ऊर्जा, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और जल संरक्षण पर नई योजनाओं की उम्मीद है। पर्यावरण में कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग एक्सचेंज शुरू होगा और कृषि में 'रीइमेजिनिंग एग्रीकल्चर' रोडमैप। कृषि में एग्री-टेक, एआई डिजिटल ट्विन्स, ड्रोन स्प्रे, सेंसर, प्रिसिजन फार्मिंग, जलवायु-प्रतिरोधी बीजों से उत्पादकता 20 प्रतिशत बढ़ेगी तो किसानों की आय भी बढ़ेगी। *

दोहे

गोविंद भारद्वाज

मिलते पुष्पाहार

धन-दौलत के मोह से, दूर रहो सब यार।
शुद्ध भाव से नित करो, अपना सब व्यापार।।

गीता पढ़ना ज्ञान की, होगा जीवन पार।
फिर जीत मिलेगी सदा, दूर रहेगी हार।।

देश निकाला दीजिए, आए सीमा पार।
फूल नहीं वो देश के, बने हुए हैं खार।।

बात करो बस प्यार से, नेक रहे व्यवहार।
मेल मिलाप रहे सदा, जीवन का आधार।।

सत्य-अहिंसा से मिले, जीव-जगत को प्यार।
सन्मार्ग पर यदि चलें, सुखी रहे संसार।।

सत्य वचन पर हों अडिग, झुक जाएं हथियार।
तोप-तमंचे फेल फिर, मिलते पुष्पाहार।।

लघुकथाएं

पेट का स्वाभिमान

अपनी थाली देखकर रम्मू ने पत्नी रमिया से पूछा, 'रोटियां तो पांच ही हैं, तो तुम इतनी बड़ी थाली में क्यों परोसती हो?'

'थाली बड़ी नहीं है, रोटियां छोटी हो गई हैं। महंगाई बढ़ती जा रही है पर आमदनी नहीं। ऐसे में रोटी तो छोटी होती ही जाएगी।' रमिया ने मायूस होकर कहा।

'मेरे पास इस समस्या का एक हल है। कल से छोटी थाली में रोटी परोसना।' रम्मू ने सुझाव दिया।

'तुम्हें छोटी थाली में परोस तो दूंगी, लेकिन समस्या यह है कि हमारे पास दो ही थालियां हैं। तुम्हारी जूठी थाली में मैं खा लेती हूं। छोटू अपनी थाली में खाता है। वह तो इतनी छोटी है कि उसमें तुम्हारी ये रोटियां भी नहीं आ सकती हैं।' रमिया ने बताया।

'तो हमें सोचना पड़ेगा कि ऐसा क्या करें, जिससे हमारी रोटियां बड़ी हो सकें।'

रम्मू और रमिया लेटे-लेटे इस गंभीर समस्या पर विचार करते रहे। रात भर उनके दिमाग में रोटियां घूमती रहीं। सुबह-सुबह आंख लगी तो दोनों ने एक ही सपना देखा। कोई उन्हें बड़ी-बड़ी रोटियां दे रहा है, किंतु फेंक-फेंककर।

दोनों हड़बड़ाकर उठ बैठे। एक-दूसरे को अपने सपने के बारे में बताया। फिर दोनों ने एक राय से निश्चय किया। 'हम भीख किसी भी स्थिति में नहीं मांगेंगे। पेट का भी स्वाभिमान होता है। रोटियां बड़ी करनी हैं तो अब हम दोनों ज्यादा से ज्यादा मेहनत करेंगे।' *

-बालकृष्ण गुप्ता 'गुरु'

सच्ची साधना

काफी पुरानी बात है। किसी वन में स्थित एक आश्रम में एक गुरु अपने दो शिष्य मोहनदास और चैतन्यदास के साथ रहते और साधना करते थे। मोहनदास स्वभाव से अहंकारी था, इसलिए गुरुजी को हमेशा अपनी साधना को सच्ची बताया करता था। चैतन्यदास, मोहनदास की बातों पर ध्यान न देते हुए अपनी साधना में लीन रहता था।

एक दिन गुरुजी ने मोहनदास का अहंकार दूर करने की सोची। उन्होंने दोनों शिष्यों को बुलाकर कहा, 'जाओ घने जंगल में जाकर कुछ दिन एकांत में साधना करो। मैं स्वयं आकर देखूंगा कि किस शिष्य की साधना सच्ची है?'

दोनों शिष्य घने जंगल में पहुंचे। अत्यंत सर्द मौसम था। ठंड से बचने के लिए दोनों ने अलाव जलाया और उसके निकट ही बैठकर साधना करने लगे। कुछ ही देर में अचानक 'बचाओ..बचाओ..' की आवाज सुनाई पड़ी। यह सुनकर चैतन्यदास अलाव में से एक जलती लकड़ी लेकर आवाज आने की दिशा में दौड़ा। उसने देखा कि एक भालू किसी बुजुर्ग महिला पर हमला करने वाला है। चैतन्यदास ने जलती लकड़ी से भालू को भगाया और महिला का जीवन बचा लिया। उसने पूछा, 'मां आप इतनी ठंड में घने जंगल में क्या कर रही हैं?'

'बेटा, मैं कई वर्षों से इस जंगल से लकड़ी बीन कर अपने घर की रसोई में खाना बनाती हूं। आज न जाने यह भालू कहां से आ गया?' महिला ने बताया।

'मां, पहाड़ी पर बर्फबारी होने के कारण भालू नीचे जंगल में आ गया होगा। आगे आप संभलकर ही इस घने जंगल में आना। चलिए, आपको मैं घर तक छोड़ देता हूं।' चैतन्यदास बोला।

उधर गुरुजी साधना स्थल पर पहुंचे और पूछा, 'अरे! मोहनदास, चैतन्यदास कहां चला गया?'

'गुरुजी, मैं यहां हूं।' कहते हुए चैतन्यदास गुरुजी के पास पहुंचा। उसे देखकर मोहनदास बोला, 'अब तो आपको समझ में आ ही गया होगा कि चैतन्यदास तो साधना छोड़कर कहीं चला गया लेकिन मैं कहीं नहीं गया। इसलिए मेरी साधना ही सच्ची है।' गुरुजी ने चैतन्यदास से पूछा, 'तुम कहां गए थे?' चैतन्यदास ने पूरी घटना के बारे में बता दिया। इस पर मोहनदास ने पूछा, 'अब आप ही बताइए गुरुजी, किसकी साधना सच्ची है?'

गुरुजी ने कहा, 'सच्ची साधना वही होती है, जिसमें मानवता हो। तपस्या तो बाद में भी की जा सकती है, लेकिन किसी का जीवन बचाना ही सच्ची साधना है। इसलिए चैतन्यदास की साधना ही सच्ची साधना है।'

यह सुनकर मोहनदास का सिर शर्म से झुक गया। *

-चंद्रप्रकाश डाले

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

शताब्दी स्मरण : अमरकांत

कुछ समय पूर्व प्रसिद्ध साहित्यकार अमरकांत के जन्मशती के अवसर पर 'बनास जन' का 'शताब्दी स्मरण : अमरकांत' विशेषांक छपकर आया है। इसमें अमरकांत की बहुआयामी साहित्यिक छवियों पर विस्तार से चर्चा की गई है। इस समृद्ध अंक के अलग-अलग खंडों में उनके विभिन्न साहित्यिक पक्षों पर प्रकाश डाला गया है।

'स्मृतियों में अमरकांत' खंड में ममता कालिया, हरीश पांडे और मनोज कुमार पांडे ने उनसे जुड़ी स्मृतियों को मार्मिकता से संजोया है।

'लेखकों के लेखक' शीर्षक संस्मरणात्मक लेख में ममता कालिया ने कुछ प्रसंगों के जरिए अमरकांत जी के स्वाभिमानी रचनाकार की छवि को प्रकट किया है। प्रेमचंद के बारे में अप्रिय टिप्पणी करने पर अमरकांत जी, 'मनोरमा' के मालिक-संपादक आलोक मित्र से यह कहने से नहीं हिचके, 'प्रेमचंद सर्वहारा के पक्षधर रचनाकार थे। आप लोग भूख और गरीबी बेचते हैं। प्रेमचंद ऐसे विक्रेता नहीं थे।' जबकि उन दिनों वे उसी पत्रिका में संयुक्त संपादक के पद पर कार्य कर रहे थे।

'कुछ पते कुछ चिट्ठियां' खंड में अमरकांत जी द्वारा लिखे गए कुछ पत्रों को संकलित किया गया है। इन्हें पढ़ते हुए उनके भीतर मौजूद एक अत्यंत भावुक रचनाकार की छवि प्रकट होती है। यहां अमरकांत जी के सभी उपन्यासों और कथा संग्रहों पर कई समीक्षकों के विवेचनात्मक लेख भी पढ़े जा सकते हैं। इनसे गुजरते हुए अमरकांत जी की कथादृष्टि का विस्तार और मानवीय संवेदना की गहनता को महसूस किया जा सकता है। उनके कथा संग्रह 'कुहासा' पर उमाशंकर चौधरी की यह टिप्पणी देखी जा सकती है, जिसमें वह कहते हैं, 'अमरकांत के यहां पात्रों के संघर्ष का विश्वसनीय चित्रण है। वे अपने समय की समस्याओं को भी पकड़ते हैं और विडंबनाओं को भी।' कहने की जरूरत नहीं कि यह अंक पठनीय ही नहीं संग्रहणीय भी है। *

पत्रिका : बनास जन-82 (शताब्दी स्मरण : अमरकांत), संपादकः पल्लव, मूल्यः 200 रुपए

इंडोनेशिया

अगर आपको पर्यटन का शौक है और आप देश-विदेश के चुनिंदा लोकेशंस को एक्सप्लोर करना चाहते हैं, तो आपको अलग-अलग देशों में स्थित इन पांच टूरिस्ट प्लेसेस की सैर जरूर करनी चाहिए। इन विश्व प्रसिद्ध टूरिस्ट डेस्टिनेशंस की खासियतों को खुद के अनुभव से लेखक साझा कर रहे हैं अपनी जुबानी।

टूरिज्म
समीर चौधरी

5 फैमिली के संग घूम आइए अमेजिंग टूरिस्ट डेस्टिनेशंस

अब तक मैं 125 से अधिक देशों की यात्रा कर चुका हूं और इस अनुभव से मेरा यकीन पुख्ता हुआ है कि दुनिया को समझने का सबसे विश्वसनीय रास्ता पर्यटन ही है। अपने तजुर्बे की रोशनी में मेरा सुझाव है कि अगर आप इस साल विदेश यात्रा की योजना बना रहे हैं तो इन पांच टूरिस्ट प्लेसेस को प्राथमिकता दे सकते हैं, क्योंकि इन स्थलों पर प्रकृति, संस्कृति और परिवर्तनीय अनुभवों को वास्तव में महसूस किया जा सकता है।

दक्षिण अफ्रीका में क्रुगर नेशनल पार्क

मेट्रोपोलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट

फिजी

फिनिक्स पार्क डबलिन सिटी सेंटर

इंडोनेशिया मिलेंगे विविधरंगी अनुभवः इंडोनेशिया दुनिया के उन देशों में शामिल है, जिनमें आकर्षण व दिलचस्पी का हर रंग देखने को मिल जाता है। यहां बोर्नियो में ओरंगुटान को उनके प्राकृतिक स्थलों में देखने के बाद आपको वन्यजीव संरक्षण के वास्तविक महत्व का एहसास होगा। फ्लोर्स में सक्रिय ज्वालामुखी, परंपरागत गांव और अविश्वसनीय नीले सागर एक विशिष्ट सांस्कृतिक और प्राकृतिक यात्रा का अनुभव कराते हैं। पश्चिम में लोंबोक में आपको मिलेंगे रिंजानी जैसे ज्वालामुखी, शासक संस्कृति, सुंदर झरने और शांत समुद्री तट, जहां बाली की तरह पर्यटकों की भीड़ नहीं होगी और पास में ही गिल द्वीप (विशेषकर गिल एयर और गिल मेनो) में साफ-स्वच्छ जल, सी टर्टल और आरामदायक वातावरण का जन्नत है, जो दक्षिणपूर्व एशिया में अब लगभग लुप्त हो चुका है। इंडोनेशिया में आप विशेष रूप से तनजुंग पुटिंग, केलिमुतु, कोमोडो, रिंजानी, तिउ केलेप, सेंदांग गिले, गिल एयर और गिल मेनो को जरूर देखें। लोंबोक और गिल जाने के लिए सबसे अच्छा समय मई से अक्टूबर है, जबकि बोर्नियो और फ्लोर्स के लिए जून से सितंबर। आपको इंडोनेशिया इसलिए भी जाना चाहिए क्योंकि यहां आपको जीवित संस्कृति, ज्वालामुखी, स्वप्निल समुद्री तटों और संसार में कुछ सबसे विशेष अनुभवों का संगम देखने को मिलेगा।

दक्षिण अफ्रीका दिखेगा वाइल्डलाइफ का बेहतरीन नजाराः दक्षिण अफ्रीका में विश्व प्रसिद्ध क्रुगर नेशनल पार्क तो देखने के लिए है ही। इसके अलावा भी बहुत कुछ देखने के लिए वहां है। एक अलग मार्ग केपटाउन में आरंभ होता है और फिर स्टेल्लनबोश व फ्रांसचोक के अंगूरों के खेतों से होता हुआ समारा और ग्रेट कारु तक जाता है। फिर वहां से आप किंबर्ले के लिए फ्लाइट ले सकते हैं और कालाहारी जा सकते हैं। वहां शानदार सफारी का आनंद भी आप उठा सकते हैं। 'वर्किंग विद वाइल्डलाइफ' जैसे प्रोजेक्ट इस क्षेत्र में संचालित हैं, जो विभिन्न समुदायों और जीव प्रजातियों के संरक्षण में मदद करते हैं। दक्षिण अफ्रीका में पर्यटन के लिए सबसे अच्छा समय मई से सितंबर तक है और विशेष रूप से आपको समारा, कारु नेशनल पार्क, केप वाइनयार्ड्स और कालाहारी देखने चाहिए।

फिजी आकर्षक सांस्कृतिक विविधता का देशः अपनी मेहमाननवाजी, शुद्ध प्राकृतिक वातावरण और सांस्कृतिक विविधता के लिए मशहूर फिजी की यात्रा आपके लिए निश्चित तौर पर यादगार अनुभवों से भरी होगी। यहां के अंदरूनी गांवों में खासतौर से मिलने वाले कावा (एक विशेष प्रकार का पेय) का स्वाद और अनुभव फिजी आने वाले पर्यटक जरूर लेते हैं। कावा एक अनोखा पेय होने के साथ-साथ फिजी के समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक-सा बन गया है। फिजी की यात्रा के लिए सबसे अच्छा समय मई से अक्टूबर तक माना जाता है। फिजी यात्रा के दौरान आपको यसावा, विती लेवु व मोनुरिकी अवश्य देखना चाहिए। फिजी आपको इसलिए भी जाना चाहिए क्योंकि इसके आकर्षक सी बीच, आपको यहां की अति सुंदर संस्कृति से जोड़ते हैं।

न्यूयॉर्क सिटी अमेजिंग सेंट्रल पार्क के लिए प्रसिद्धः अमेरिका के न्यूयॉर्क सिटी में स्थित सेंट्रल पार्क न सिर्फ दुनिया भर के सिटी पार्कों के लिए अच्छी मिसाल है बल्कि मेनहट्टन के बीच में स्थित यह स्थान अपने आपमें सेलेब्रिटी स्टेटस रखता है। पार्क का दक्षिणी हिस्सा न्यूयॉर्क सिटी और उसके रईस सबअर्ब की याद दिलाता है। उत्तरी हिस्सा अपने पहाड़ों, पेड़ों व बेंचों के कारण इस शहर के अतीत की याद दिलाता है। इस मास्टरपीस का आनंद लेने के लिए खुले मैदान में बैठें, झील के पास ब्रेक लें, स्ट्रॉबेरी खेतों के पास रुकें जो जॉन लेनन की याद में हैं या जाड़े में आइस स्केटिंग करें। जिन पर्यटकों को कला, प्रकृति और विज्ञान में दिलचस्पी है, वे मेट्रोपोलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट और अमेरिकन म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री में जा सकते हैं, जो पार्क के बीच के हिस्से में ही स्थित हैं।

फिनिक्स पार्क शोर-शराबे से दूर नेचर के करीबः आयरलैंड के डबलिन सिटी सेंटर के निकट ही फिनिक्स पार्क स्थित है। लिफ्फेय नदी के साथ वाली सड़क पर डबलिन से पब्लिक ट्रांसपोर्ट द्वारा यहां तक पहुंचने में 20 मिनट लगते हैं। फिनिक्स पार्क आपको शोर-शराबे से बहुत दूर ले जाता है। इसकी झील के पास आपको सैकड़ों जंगली हिरण घूमते हुए मिल जाएंगे, जिनसे आपकी नजर नहीं हट सकेगी। यहां पापल क्रॉस, वेलिंगटन स्मारक और सेंट थॉमस हिल के ऊपर तारे के आकार का मैगजीन फोर्ट जैसे स्मारक भी दर्शनीय हैं। इनके अलावा एक्लेक्टिक फार्मलीग हाउस भी देखने योग्य है। *

नए साल में करिए खुद को ऐसे अपडेट

सेल्फ इंप्रूवमेंट
शिखर चंद जैन

नए साल का आगाज हो चुका है। आप जरूर सोच रहे होंगे कि इस नए साल में खुद को अपडेट करने के लिए क्या कुछ ऐसा करें, जिससे आपकी ओवरऑल पर्सनालिटी में निखार आए, आपके करियर को भी एक नया मुकाम हासिल हो। इसके लिए कुछ उपयोगी सलाह।

आपने देखा होगा कि समय-समय पर शोरूम, पत्र-पत्रिकाएं, बड़े ब्रांड्स आदि अपने कलेवर बदलते और दुरुस्त करते रहते हैं, खुद को रिन्यू करते रहते हैं। वास्तव में रीब्रांडिंग, रीन्यूअल और रेनोवेशन एक सतत प्रक्रिया है। एक व्यक्ति के रूप में भी खुद को अपडेट करते रहना चाहिए। इसकी शुरुआत अभी शुरू हुए नए साल से भी की जा सकती है।

नया माइंडसेट : हमारा दिमाग मांसपेशी की तरह होता है। इसे जितनी चुनौती, मशक्कत और वर्जिश देंगे, यह उतना ही मजबूत होगा। इसलिए इसे नयापन या स्ट्रेंथ देने के लिए ऐसी नई स्किल्स सीखें, जिससे दिमाग की कसरत होती हो। जैसे कोई नई भाषा सीखें, पब्लिक स्पीकिंग की प्रैक्टिस करें, कोडिंग या कोई नया आर्ट सीखें। रोज सुबह एक नोटबुक में लिखें कि बीते कल आपने क्या नया महसूस किया, देखा या सीखा? दिन में जब फुर्सत मिले, 5-10 मिनट का कोई ऐसा पॉडकास्ट देखें, जो किसी नए और दिलचस्प विषय पर आधारित हो।

नई बॉडी-स्ट्रेंथः आपका शरीर सतत क्रियाशील रहता है। जाहिर है, इससे ऊर्जा का क्षय होता है और शरीर में थकान व दुर्बलता भी आती है। इसलिए इसे समुचित ऊर्जा और पोषण रूपी ईंधन की जरूरत होती है। इसके लिए जरूरी है कि आप अपनी डाइट में बहुरंगी सब्जियां और फल शामिल करें, पौष्टिक अनाज, दूध, दही, दालें आदि अवश्य लें। एक्सरसाइज, वॉक, जॉगिंग, साइक्लिंग जैसी एक्टिविटीज को अपने डेली रूटीन का हिस्सा बनाएं।

नई स्किलः ज्यों-ज्यों समय बीतता है आपका शरीर ही नहीं, आपका टैलेंट, नॉलेज और स्किल भी बहुत हद तक पुराना और आउटडेटेड होने लगता है। इसलिए जरूरी है कि आप इन्हें भी समय के साथ अपडेट करते रहें। आपको इस साल कुछ ऐसी स्किल सीखनी चाहिए, जो आपकी दिलचस्पी की हों और जरूरत की भी। आने वाले समय में ग्राफिक डिजाइनिंग, स्टॉक ट्रेडिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल्स, कॉपीराइटिंग जैसे स्किल्स आपके लिए बहुत उपयोगी हो सकते हैं।

नए संबंधः बदलते परिदृश्य, बदलते ट्रेंड और बदलते परिवेश के हिसाब से आपको अपने आस-पास के लोगों का दायरा भी अपडेट करना पड़ता है। आज की दुनिया में सोशल कनेक्शन बहुत जरूरी है। बड़ा सोशल नेटवर्क आपको फायदा पहुंचाएगा। आपको अपनी दिलचस्पी और जरूरत के मुताबिक नए लोगों से मेल बढ़ाना चाहिए, जो आपको मोटिवेट कर सके, व्यापारिक या प्रोफेशनल लाभ पहुंचा सकें और जिनसे आप कुछ नया सीख सकें।

सेल्फ अवेयरनेसः पर्सनालिटी डेवलपमेंट के प्रमुख घटकों में से एक है सेल्फ अवेयरनेस। सेल्फ अवेयरनेस के माध्यम से आप अपने मूल्यों, कमियों और खूबियों के बारे में अधिक जान सकते हैं, जिससे आपको अधिक सार्थक लक्ष्य बनाने और बेहतर निर्णय लेने में मदद मिलेगी। यह गुण आपको उन विशेषताओं को स्वीकार करने और पूरी तरह से समझने में सक्षम बनाता है, जो आपको विशिष्ट बनाती हैं। आत्म-जागरूकता (सेल्फ अवेयरनेस) दूसरों के साथ सरस और सार्थक रिश्ते बनाने की आपकी क्षमता को भी बेहतर बनाती है।

माइंडफुलनेस का अभ्यासः ध्यान देना यानी माइंडफुलनेस सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने की महत्वपूर्ण नीति है। ध्यान देने का अर्थ है, अपने विचारों और भावनाओं के प्रति जागरूकता बनाए रखना और वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करना। भावनात्मक नियंत्रण में सुधार, तनाव का स्तर कम होना और फोकस की अवधि बढ़ना जैसे कई फायदे आपको माइंडफुलनेस के अभ्यास से मिलते हैं।

उपयोगी आदतेंः हर व्यक्ति की पहचान उसकी अपनी आदतों की वजह से भी बनती है। आपको कुछ ऐसी आदतें सीखनी चाहिए जो आपकी हेल्थ, पर्सनालिटी और आर्थिक रूप से भी आपको इंप्रूव करती हों। जैसे- रोजाना पर्याप्त पानी पीना, रोज किसी किताब के कम से कम पांच पेज पढ़ना, रोज सुबह जाकर 5 से 5:30 के बीच जागकर ब्रीदिंग एक्सरसाइज, वॉक आदि करना। बाजारू खाना त्याग कर घर का ताजा भोजन करना। बिजनेस न्यूज चैनल देखना और बिजनेस पत्रिकाएं पढ़कर आर्थिक मोर्चे पर खुद को नियमित अपडेट करना। आर्थिक खबरों, नई सरकारी नीतियों से रूबरू रहना। *

विशेषः विश्व ब्रेल दिवस 4 जनवरी

जानकारी
अंजू जैन

दृष्टिबाधित लोगों के जीवन में लुई ब्रेल ने नई आशा का संचार ब्रेल लिपि के जरिए किया था। क्या है ब्रेल लिपि, इसका महत्व और उद्देश्य क्या है? आज 'विश्व ब्रेल दिवस' के अवसर पर हम आपको बता रहे हैं विस्तार से।

दृष्टिबाधितों के जीवन में ब्रेल लिपि से फैला उजाला

आपने क्या कभी सोचा है कि अगर हमारी आंखों के सामने अंधेरा हो, तो हम किताबें या अपनी पसंदीदा कहानियां कैसे पढ़ेंगे? हम रंगों को कैसे पहचानेंगे या गणित के सवाल कैसे हल करेंगे? दुनिया में लाखों ऐसे लोग हैं, जो देख नहीं सकते, लेकिन वे हमारी-आपकी तरह ही पढ़ते हैं, लिखते हैं और कंप्यूटर चलाते हैं। यह सब मुमकिन होता है 'ब्रेल लिपि' की सुविधा से।

लुई ब्रेल

क्यों मनाते हैं विश्व ब्रेल दिवसः वर्ष 2019 से हर साल 4 जनवरी को विश्व ब्रेल दिवस मनाया जाता है। यह दिवस दृष्टिबाधित लोगों के लिए शिक्षा, संचार और सामाजिक समावेश के लिए ब्रेल लिपि (स्पर्शनीय लेखन प्रणाली) के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। इसी दिन ब्रेल लिपि के आविष्कारक लुई ब्रेल की जयंती होती है। लुई का जन्म 4 जनवरी 1809 को फ्रांस के एक छोटे से गांव में हुआ था। जब वे मात्र 3 साल के थे, तो अपने पिता की कार्यशाला में औजारों से खेलते समय उनकी आंखों में चोट लग गई और धीरे-धीरे उनकी दोनों आंखों की रोशनी चली गई। लुई पढ़ना चाहते थे, लेकिन उस समय नेत्रहीनों के लिए पढ़ाई बहुत मुश्किल थी। उन्होंने हार नहीं मानी और मात्र 15 साल की उम्र में एक ऐसी भाषा तैयार की, जिसे छूकर पढ़ा जा सकता था। उन्हीं के सम्मान में संयुक्त राष्ट्र ने 2019 से हर साल 4 जनवरी को आधिकारिक तौर पर 'विश्व ब्रेल दिवस' मनाने की शुरुआत की।

कुछ इस तरह मनाते हैं विश्व ब्रेल दिवसः इस अवसर पर स्कूलों, कॉलेजों और समुदायों में कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। जहां लोगों को ब्रेल लिपि के बारे में बताया जाता है। ब्रेल पढ़ने और लिखने की प्रतियोगिताएं होती हैं। दृष्टिबाधित लोगों और उनके परिवारों के साथ बातचीत की जाती है, ताकि उनकी समस्याओं को समझा जा सके।

क्या है ब्रेल लिपिः ब्रेल कोई भाषा नहीं, बल्कि एक 'कोड' या 'लिपि' है। इसे कागज पर उभरे हुए बिंदुओं के जरिए पढ़ा जाता है। इसमें कुल 6 बिंदु होते हैं। इन 6 बिंदुओं को अलग-अलग क्रम में सजाकर अक्षर, संख्याएं और संगीत के संकेत बनाए जाते हैं। नेत्रहीन बच्चे अपनी अंगुलियों के पोरों से इन उभरे हुए बिंदुओं को छूकर महसूस करते हैं और तेजी से पढ़ लेते हैं।

ब्रेल लिपि, दृष्टिहीनों को पढ़ने का मौका तो देती ही है, इससे उनके जीवन और उनके प्रति लोगों के नजरिए में भी व्यापक बदलाव देखने को मिलते हैं। वास्तव में संयुक्त राष्ट्र ने इस दिन यानी 'विश्व ब्रेल लिपि दिवस' की शुरुआत इसलिए की, ताकि यह याद दिलाया जा सके कि हर किसी को, चाहे वह देख सकता हो या नहीं, शिक्षा, सूचना और संचार का समान अधिकार है।

ज्ञान, स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरताः ब्रेल लिपि दृष्टिबाधित लोगों के लिए ज्ञान का सबसे महत्वपूर्ण दरवाजा है। इसके बिना उनके लिए किताबें पढ़ना, स्कूल जाना या कंप्यूटर इस्तेमाल करना बहुत मुश्किल होता। जबकि इसके माध्यम से वे पढ़-लिखकर शिक्षक, तकनीक विशेषज्ञ, कलाकार आदि जो चाहे बन सकते हैं और समाज में कंधे से कंधा मिलाकर चल सकते हैं। ऐसे अनेक दृष्टिबाधित सफल लोगों के उदाहरण हमें देखने-सुनने को मिलते रहते हैं।

आसान हुआ दैनिक जीवनः बैंक नोटों पर उभरे हुए प्रतीकों के रूप में ब्रेल लिपि का इस्तेमाल किया जाता है। दवाइयों के लेबल पर और सार्वजनिक स्थानों पर दिशा बताने वाले संकेतों पर भी ब्रेल लिपि उभरी होती है। आजकल रेलवे टिकट पर भी कई जगह ब्रेल लिपि दी जाती है। ब्रेल लिपि के इस तरह के इस्तेमाल से दृष्टिबाधित लोगों का जीवन बहुत हद तक आसान हुआ है। दृष्टिबाधित लोगों के लिए कुछ और भी उपकरण उपलब्ध हैं, जिनसे उनको पढ़ने में सुविधा होती है।

रिफ्रेशेबल ब्रेल डिस्प्लेः ये छोटे इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस होते हैं, जिनमें पिनों की पंक्तियां होती हैं, जो ऊपर-नीचे होकर ब्रेल के बिंदु बनाती हैं। जब आप कंप्यूटर, फोन या टैबलेट से कनेक्ट करते हैं, तो यह डिजिटल टेक्स्ट को तुरंत ब्रेल में दिखाता है, और आप एक बटन दबाकर अगली लाइन पर जा सकते हैं।

ब्रेल ई-रीडरः ये विशेष उपकरण होते हैं जो सीधे डिजिटल ब्रेल किताबें (ऑनलाइन लाइब्रेरी से डाउनलोड की गई) पढ़ सकते हैं। इनमें नोट्स लेने, कैलकुलेटर और फाइल मैनेजर जैसे इन बिल्ट फीचर्स भी हो सकते हैं, जो इन्हें पोर्टेबल बनाते हैं।

ब्रेल नोट टेकरः ये छोटे पोर्टेबल डिवाइस होते हैं जिनमें ब्रेल की-बोर्ड और डिस्प्ले होता है। ये नोट्स लेने, कैलेंडर और ईमेल जैसी सुविधाओं के साथ आते हैं और वाई-फाई के जरिए क्लाउड से जुड़ सकते हैं। *

बहुत सुविधाजनक है डिजिटल ब्रेल

डिजिटल ब्रेल, दृष्टिबाधित लोगों के लिए ब्रेल लिपि को इलेक्ट्रॉनिक रूप में पढ़ने और लिखने का एक आधुनिक तरीका है। यह रिफ्रेशेबल ब्रेल डिस्प्ले और ब्रेल ई-रीडर जैसे उपकरणों के माध्यम से संभव होता है, जो डिजिटल टेक्स्ट (जैसे कंप्यूटर, स्मार्टफोन, टैबलेट से) को पिन की मदद से उभरे हुए ब्रेल अक्षरों में बदलते हैं। इस तरह वे ऑनलाइन जानकारी, किताबें और दस्तावेज आसानी से एक्सेस कर पाते हैं और इससे उन्हें शिक्षा और अपने काम में बहुत मदद मिलती है।

सिने ट्रेंड-2026
अशोक जोशी

हालांकि बीता साल बॉलीवुड के लिए बहुत अच्छा नहीं रहा। लेकिन इस साल कई ऐसी फिल्में रिलीज होने वाली हैं, जिनसे बड़ी उम्मीदें हैं। यह देखना रोचक होगा कि इस साल कौन-कौन सी फिल्में दर्शकों की उम्मीदों पर खरी उतरेंगी।

बॉलीवुड के लिए बहुत उम्मीदों भरा है यह साल

बॉलीवुड में हर साल बड़ी संख्या में फिल्में रिलीज होती हैं। बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के लिहाज से देखें तो रिलीज फिल्मों में से कुछ ही फिल्मों को बड़ी सफलता मिल पाती है। अब पिछले साल प्रदर्शित फिल्मों पर नजर दौड़ाएं तो 'सैयारा', 'छावा' और 'धुरंधर' जैसी कुछ फिल्में ही बॉक्स ऑफिस पर अपना दबदबा बनाने में कामयाब हो सकीं। पिछले साल रिलीज्ड और सक्सेसफुल फिल्मों के बीच बड़ा अंतर होने के बावजूद निर्माताओं को इस साल अपनी फिल्मों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है।

रिलीज होंगी बिग स्टार्स की फिल्मेंः नए साल में बिग स्टार्स की कुछ धमाकेदार फिल्मों का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। सनी देओल, धर्मेंद्र दोनों अलग-अलग फिल्मों में नजर आएंगे। साथ ही प्रभास के साथ संजय दत्त भी नजर आने वाले हैं। वहीं दूसरी तरफ एक और जोड़ी है जिसकी फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है और वो हैं थलापति विजय और बॉबी देओल।

साल की शुरुआत 'इक्कीस' सेः 'इक्कीस' फिल्म में धर्मेंद्र आखिरी बार नजर आए हैं। उनका बीते नवंबर निधन हो गया था। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा लीड रोल में हैं। साल के पहले ही दिन रिलीज हो चुकी इस फिल्म के प्रचार में धर्मेंद्र को हाईलाइट किया गया है। 'इक्कीस' में जयदीप अहलावत, सिकंदर खेर, विवान शाह भी नजर आ रहे हैं। फिल्म को डायरेक्ट किया है श्रीराम राघवन ने।

इन साउथ-सुपर स्टार्स की फिल्मों में होगा क्लैशः इसी सप्ताह शुक्रवार यानी 9 जनवरी को साउथ के दो बड़े सुपरस्टार्स की फिल्में रिलीज हो रही हैं। इस दिन जहां एक ओर 'बाहुबली' फेम प्रभास की 'राजा साब' रिलीज होने वाली है, जिसमें उनके साथ संजय दत्त, मालविका मोहनन, जरीना बहाव, बोमन ईरानी, निधि अग्रवाल, कियारा आडवाणी जैसे कलाकार नजर आने वाले हैं। दूसरी तरफ 9 जनवरी को ही साउथ के एक और सुपरस्टार थलापति विजय की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'जन नायकन' रिलीज होगी। यह विजय के फिल्मी करियर की आखिरी फिल्म होगी। इसके बाद वह अपना पूरा समय राजनीति में देंगे। इस फिल्म में विजय के साथ बॉबी देओल और पूजा हेगड़े भी दिखेंगे।

आएंगे कई सुपरहिट फिल्मों के सीक्वलः किसी भी सुपरहिट फिल्म के सीक्वल को प्रायः सफलता की गारंटी माना जाता है। इस साल भी कई सफल फिल्मों के सीक्वल सिने प्रेमियों को देखने को मिलेंगे। जेपी दत्ता की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'बॉर्डर' का सीक्वल 'बॉर्डर 2' इसी महीने 23 जनवरी को रिलीज हो रहा है। फिल्म की मुख्य भूमिकाओं में सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी नजर आने वाले हैं। बीते दिनों सनी देओल की 'गदर 2' ने खूब कमाई की थी। कुछ ऐसी ही उम्मीद 'बॉर्डर 2' से भी की जा रही है। यह देखना दिलचस्प होगा कि अनुराग सिंह के निर्देशन में बनी 'बॉर्डर 2' की कहानी दर्शकों को थिएटर तक खींच पाती है या नहीं? आदित्य धर निर्देशित 'धुरंधर' का सीक्वल 'धुरंधर 2' 19 मार्च को बड़े पर्दे पर आएगी।

इसी साल सुपरहिट फिल्म 'एनिमल' का भी सीक्वल 'एनिमल पार्क' रिलीज होने जा रही है, जिसका दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। 'एनिमल' के पोस्ट-क्रेडिट सीन में दिखाई गई कहानी को आगे बढ़ाते हुए 'एनिमल पार्क' में और भी ज्यादा थ्रिल और इमोशन दिखाए जाने की उम्मीद है।

इन फिल्मों से भी हैं बड़ी उम्मीदेंः इस साल रिलीज होने वाली संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' से भी काफी उम्मीदें हैं। फिल्म में रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल लीड रोल में हैं। फिल्म 14 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

रणबीर कपूर, साई पल्लवी, सनी देओल और यश की मुख्य भूमिका वाली बिग बजट फिल्म 'रामायण' का भी इस साल दर्शकों को बेसब्री से इंतजार रहेगा। दो पार्ट में रिलीज होने वाली 'रामायण' का पहला पार्ट इसी साल दिवाली पर रिलीज होने की उम्मीद है। नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता, सनी देओल हनुमान जी और यश रावण की भूमिका में नजर आने वाले हैं।

आएंगी सलमान-शाहरुख की फिल्मेंः इस वर्ष लगभग तीन साल बाद शाहरुख खान अपनी अगली फिल्म 'किंग' के साथ बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं। सिद्धार्थ आनंद निर्देशित 'किंग' में शाहरुख अपनी बेटी सुहाना के साथ पहली बार दिखेंगे। इसके अलावा सलमान खान की 'बैटल ऑफ गलवान' 2020 में भारत और चीन के बीच हुए गलवान घाटी संघर्ष पर आधारित फिल्म है। अपूर्व लाखिया द्वारा निर्देशित इस फिल्म को सलमान खान फिल्म्स बैनर तले प्रोड्यूस किया जा रहा है। फिल्म का टीजर रिलीज होने के बाद से दर्शकों में इस फिल्म को लेकर काफी उत्साह है। *